छ.रा.विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

नवम्बर-दिसम्बर 2011 वर्ष - 07 अंक - 12

एक सदी का हुआ

जन - गण - मन

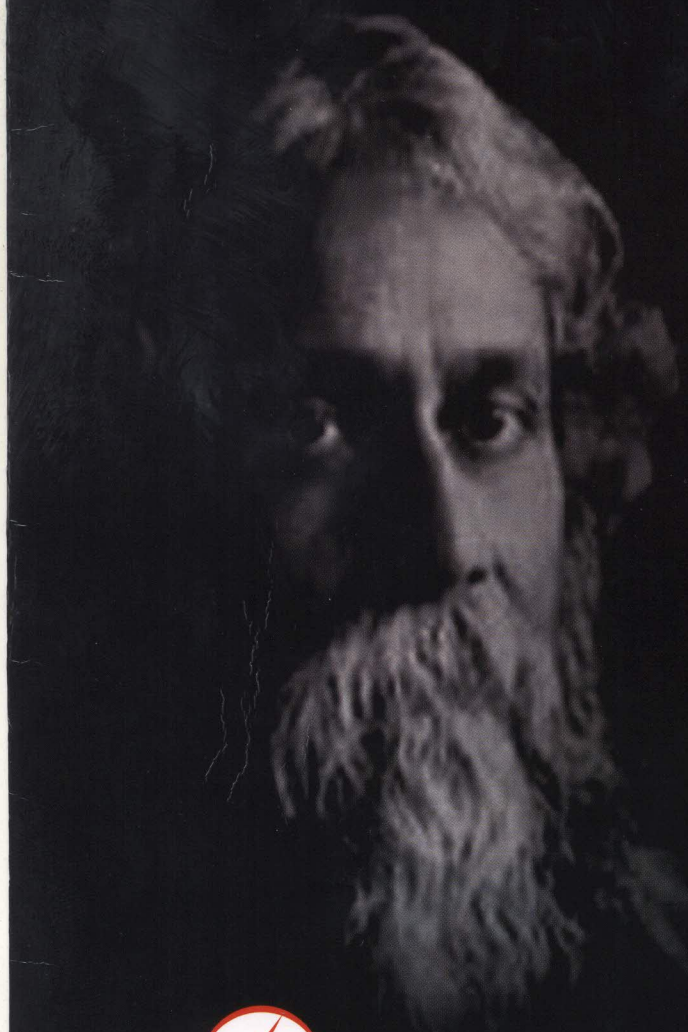

जनगण मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता ।।
पंजाब सिंध गुजरात मराठा,
द्राविड उत्कल बंगा।
विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंगा।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय गाथा ।
जनगण मंगळदायक जय हे,
भारत भाग्यविधाता।
जय हे ! जय हे !! जय हे !!!
जय ! जय ! जय ! जय हे !!

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.रा. विद्युत कम्पनी मर्या.

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवम्बर 2000	दिसंबर 2011
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	1786 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	1924.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	564.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब केन्द्रों की संख्या	27 नग	70 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	8336 सर्किट कि.मी.
33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	699 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	15133 सर्किट कि.मी.
11/0.4 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या	29692 नग	70961 नग
11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	68204 कि.मी.
निम्न दाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	120831 कि.मी.
केपेसिटर स्थापित	94 एमव्हीआर	934 एमव्हीआर
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17910	19181
विद्युतीकरण का प्रतिशत	91.00	97.15
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	23855
विद्युतीकृत पम्पों की संख्या	72400	294724
एकलबत्ती कनेक्शन	630389	1486759

संकल्प

छ.रा.विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

नवम्बर-दिसम्बर, वर्ष-07, अंक-12

संरक्षक

श्री पी. जॉय उम्मेन	:	अध्यक्ष
श्री पी.एल. विधानी	:	प्रबंध संचालक (होल्डिंग कं. मर्या.)
श्री जी.एस. कलसी	:	प्रबंध संचालक (पारेषण कं. मर्या.)
श्री सुबोध सिंह	:	प्रबंध संचालक (वितरण कं. मर्या.)
श्री जर्नादन कर	:	प्रबंध संचालक (उत्पादन कं. मर्या.)

सलाहकार सम्पादक

श्री कैलाश नारनवरे : महाप्रबंधक (मा. सं.)

सम्पादक

श्री विजय कुमार मिश्रा : जनसम्पर्क अधिकारी

सहयोग

श्री जाबीर मोहम्मद कुरैशी

छायाकार

श्री संजय टेम्बे

पता

सम्पादक : संकल्प

जनसम्पर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.

डंगनिया, रायपुर (छ.ग.)

संकल्प में प्रकाशित लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं,
सम्पादक मण्डल उससे सहमत हों, यह जरूरी नहीं है.
किसी प्रकार के विवाद के लिए न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र रायपुर होगा.

विषय सूची

सम्पादकीय....02
मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह....03
राज्योत्सव 2011....04
एक सदी का हुआ....04
स्वदेशी मेला में....05
एमडी श्री जनार्दन कर....05
मान. मुख्यमंत्री....06
बिजनेस मैनेजमेंट....07
नफा ही नफा....08
पुरैना उपकेन्द्र....08
पॉवर कम्पनी में....09
होल्डिंग कंपनी से....10
अन्तर्क्षेत्रीय टेबल टेनिस....10
पॉवर कम्पनी में....11
आल इंडिया लॉन टेनिस....11
हसदेव ताप विद्युत....12
मानव संसाधन विभाग....13
पॉवर वितरण....13
पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में....14
आल इंडिया विद्युत मंडल....14
पॉवर कम्पनी आदर्शनी....15
आदर्शिनी महिला....15
व्हालीबाल स्पर्धा....16
संस्कृति से होती है....16
परिचयावली....17
इंजी. कृष्णकुमार वर्मा....17
हमारे गौरव....17
मेरी प्रथम हवाई यात्रा....18
उच्च रक्तचाप....19
हमारे गौरव....20
श्रद्धांजलि....21
कविता....22
धमधा उप संभाग....23
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी....23
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी....24
कुर्यात सदा मंगलम्....24

C.S.E.I.T.C. RAIPUR (C.G.) C.S.P.D.C.O. LTD.

संपादकीय.....

हाथों की लकीरों पर यकीन मत करना

वर्ष 2011 के आगमन के साथ ही चार तिथियां चर्चा में रही है। जिनमें 1.1.11, 11.1.11, 1.11.11 तथा 11.11.11 शामिल है। इन तिथियों में 1.11.11 छत्तीसगढ़ के 11 वे वर्ष में प्रवेश का सूचक रहा है। इस तरह की तिथियों को दूबारा छूने में 100 वर्ष लग जाऐगें। 1.11.11 की तिथि पर छत्तीसगढ़ ने अपने 11 वर्ष को पूर्ण किया और शिशु छत्तीसगढ़ से किशोर छत्तीसगढ़ की अवस्था में जा पहुंचा।

छत्तीसगढ़ के जन्म के अवसर पर छत्तीसगढ़ का भविष्य नवजात शिशु के रहस्यमय भविष्य की तरह रहस्य में नहीं था, बल्कि उसके भाग्य–भविष्य के प्रखर होने का प्रमाण यहां उपस्थित खनिज–सम्पदा और प्रचुर मात्रा में उपलब्ध बिजली ने दे दिया था। यहीं वजह है कि जन्म से किशोरावस्था तक पहुंचते–पहुंचते छत्तीसगढ़ ने अपने साथ जन्म लिए दो अन्य राज्य झारखण्ड एवं उत्तराचंल सहित देश के अनेक उन्नत राज्यों के बीच स्वयं को एक तेज तरक्कीदार राज्य के रूप में स्थापित किया है।

छत्तीसगढ़ की शुरूआत शून्य से हुई थी, आगाज छोटा था, पर छोटी शुरूआत, नन्हा आगाज, अब आसमान की बुलंदियों को छू रहा है। यह सर्वविदित है कि बुलंदियों की नींव चुनौतियों की सतह पर ही खड़ी होती है। जितनी बड़ी चुनौती होगी उसे परास्त करने के लिए उतना ही अधिक शौर्य–साहस–सूझबूझ–हौसला का परिचय देना होता है। नवोदित राज्य छत्तीसगढ़, नवगठित विद्युत मण्डल, पुनर्गठित कंपनियों ने इसे समझा और 11 वर्ष की साझेदारी यात्रा को पूरा करते–करते उत्तम विद्युत उन्नत राज्य के सपने को साकार कर दिखाया। सपने जब सफलता का स्वरूप लेने लगे तो इसे सतत संजाये रखना और भी अधिक सक्रियता, कार्य में समरसता और पारंगता की मांग करने लगता है। ऐसे समय में गुजरे वक्त से प्राप्त अनुभव के बूते बड़ी सफलताओं को अर्जित करना सरल हो जाता है।

तरक्की की दौड़ में आगे बढ़ते हुए जिन लम्हों को पीछे छोड़ा जाता है, हकीकत में वहीं लम्हे ही व्यक्ति को पहले के मुकाबले ज्यादा आत्मविश्वासी और तजूर्बेकार बना देते है, अतः बीता वक्त हाथ से निकल गया की सोच रखने वालो को हौसला बनाए हुए यह तथ्य भी स्मृति पटल पर अंकित रखना होगा कि आने वाले वक्त की बागडोर हौसलामंद व्यक्ति के ही हाथ होती है। बीत चुके लम्हे से अगर कुछ सीख ली गयी है तो यही सीख निश्चित रूप से हर पल– हर कल को जीवन का श्रेष्ठम समय सिद्ध करेगा।

हाथों की लकीर या कहे तकदीर पर ही भरोसा करके हाथ पर हाथ धरे बैठने वाले कभी भी तरक्की की दौड़ में शामिल नहीं हो सकते। इसीलिए किसी अनुभवी कलमकार ने लिखा है कि ''तकदीर के खेल से कभी मायूस नहीं होते, जिंदगी में ऐसे कभी बेवस नहीं होते, हाथों की लकीरो पर यकीन मत करना, तकदीर तो उनकी भी होती है, जिनके हाथ जन्म से नहीं होते।''

विजय मिश्रा

मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह ने की ऊर्जा विभाग के कार्य प्रगति की समीक्षा

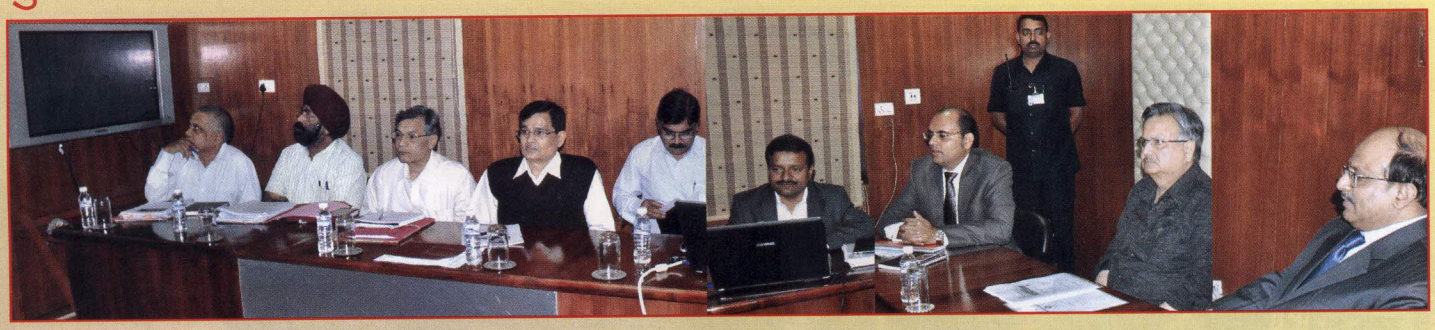

छत्तीसगढ़ में विद्युत विकास हेतु किये जा रहे कार्यों एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति पर केन्द्रित महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक 09 दिसम्बर 11 को माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिह जी द्वारा ली गई। बैठक में सिलसिलेवार मुख्य विद्युत निरीक्षालय, छ.ग. राज्य विद्युत वितरण कम्पनी–जनरेशन कम्पनी के उच्चाधिकारियों ने अपने अपने संकाय के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मुख्यमंत्री जी ने समीक्षा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत विकास एवं उपभोक्ताओं की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुये विद्युत सुविधाओं को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने ग्रामीण एवं आदिवासी बाहुल्य सुदूर क्षेत्रों की सामान्य विद्युत विषयक समस्याओं को दूर करने हेतु ग्रामीण बेरोजगारों को प्रशिक्षित कर लाईसेन्स देने का महत्वपूर्ण सुझाव दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ शतप्रतिशत विद्युतीकरण राज्य होने की ओर अग्रसर है। ऐसे दौर में विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण प्रणाली को अत्याधुनिक करने संबंधी योजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करना आवश्यक है।

ग्रामीण विद्युतीकरण के साथ साथ स्कूलों में बिजली पहुंचाने की प्रक्रिया में तेजी लाने उन्होंने सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया। वर्तमान में प्रदेश में कुल 47141 स्कूल हैं, जिसमें से 17,885 स्कूलों का विद्युतीकरण कर दिया गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री जी ने विद्युत वितरण हानि एवं बिजली चोरी रोकने हेतु चोरी बाहुल्य क्षेत्रों में एरियल बंच केबल, हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम लगाने के अलावा संबंधित क्षेत्रों के अधिकारियों को और अधिक कार्यदक्षता प्रदर्शित करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में अधिक योग्य, कर्मठ अधिकारियों/कर्मचारियों को एक निश्चित समयसीमा का लक्ष्य देकर पदस्थ किया जाना भी बेहतर उपाय होगा। वितरण हानि, ट्रांसफार्मर फेलुवर में बीते तीन वर्षों से लगातार कमी लाने की जानकारी पर उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुये और कमी लाने की संभावना पर कार्य करने बल दिया। विदित हो कि वर्ष 2009–10 में वितरण हानि लगभग 35.46 प्रतिशत थी, जो घटकर 28 प्रतिशत के करीब आ गई है। इसी तरह ट्रांसफार्मर फेलुवर की दर में भी 4 प्रतिशत से अधिक की कमी परिलक्षित हुई है।

प्रदेश के चहुंमुखी विकास का द्योतक विद्युत खपत को ठहराते हुये बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य गठन के समय विद्युत की अधिकतम मांग 1334 मेगावाट थी जो आज बढ़कर 3187 हो गई है। इस तरह विद्युत की मॉग में 139 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिजली की बढ़ती हुई मांग को एक चुनौति ठहराते हुये मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोरबा एवं मड़वा में निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं को हरहाल में वर्ष 2012 तक क्रियाशील करना ही होगा। नई परियोजनाओं की पूर्णता में आने वाली बाधाओं का निराकरण करने हेतु स्वयं सीधे हस्तक्षेप करने की बात भी कही।

प्रदेश में विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या भी बढ़कर 33,03,076 हो गई है। इनके विद्युत देयक के भुगतान संबंधी कठिनाईयों का निराकरण करते हुये 57 स्थानों पर एटीपी मशीन की स्थापना, 32 बैंकों के माध्यम से नकद भुगतान के अलावा एसबीआई के एटीएम कार्ड से भी बिजली बिल का भुगतान की सुविधा दी जा रही है। प्रदेश में स्पॉट बिलिंग भी आरंभ की गई है। वर्तमान में 2.5 लाख उपभोक्ता स्पॉट बिलिंग का लाभ उठा रहे हैं। शीघ्रातिशीघ्र रायपुर,बिलासपुर, मुंगेली, शक्ति, अकलतरा, बालौद, बेमेतरा, कुम्हारी एवं तिल्दा के 4 लाख उपभोक्ता भी इससे लाभान्वित होने लगेंगे। प्रदेश में नये घरेलू कनेक्शन देने की प्रक्रिया को भी सरल करते हुये शहरों में तीन दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सात दिन की मोहलत तय की गई है। इस नई पहल से प्रदेश के 11,993 नये उपभोक्ता लाभान्वित हुये हैं।

शहरी क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये प्रदेश में पुनर्संरचना– त्वरित विद्युत विकास कार्यक्रम (आर–एपीडीआरपी) आरम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत प्रथम चरण में 30 हजार से अधिक तथा द्वितीय चरण में 15 से 30 हजार जनसंख्या वाले शहरों की विद्युत प्रणाली को उन्नत करने का काम किया जा रहा है। कृषि पम्पों को ऊर्जीकृत करने की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज हुई है। चालू वर्ष में 20 हजार पम्पों को ऊर्जीकृत करने के लक्ष्य के विरूद्ध करीब 11 हजार पम्पों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सत्र की समाप्ति तक लक्ष्य से अधिक कार्य संपन्न कराने की संभावना बैठक में व्यक्त की गई। मुख्यमंत्री जी ने अटल ज्योति योजना एवं राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना को ग्रामीण अंचल के लिये लाभदायी ठहराते हुये इन कार्यों में और तेजी लाने के कड़े निर्देश दिये।

बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव–सह पॉवर कम्पनी अध्यक्ष श्री पी0जॉय उम्मेन, छ.ग.शासन के ऊर्जा सचिव श्री अमन सिंह, प्रबंध निदेशक द्वय श्री सुबोध सिंह, श्री जर्नादन कर, मुख्य विद्युत निरीक्षक श्री पी.के.मजूमदार, संयुक्त सचिव श्री उमेश अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्योत्सव 2011 में पॉवर कंपनी का मंडप रहा जनाकर्षण का केन्द्र

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 11 वीं वर्षगांठ पर आयोजित राज्योत्सव मेले में पॉवर कपंनी द्वारा अपनी भागीदारी दी गई। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी के मण्डप में विद्युत विकास, उपभोक्ता सेवा में वृद्धि, बिजली बचत के उपायों, विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के क्षेत्र में हो रही प्रगति तथा भविष्य की योजनाओं का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। घरेलू, उद्योग एवं कृषि जगत में बिजली बचत के उपायों को पोस्टर पाम्पलेट एवं चलित मॉडल के माध्यम से बताया गया।

घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली की बचत करने संबंधी जानकारी देने के लिये 2 रूपक सुखीराम एवं दुखीराम के घर का एक जैसा मॉडल बनाया गया। इन दोनों के घर में बिजली के समान उपकरण यथा 1 पंखा, 1 ट्यूबलाईट, 1 नाईट बल्ब एवं 1 मीटर भी लगाया गया। लगाये गये मीटरों में सुखीराम का मीटर दुखराम के मीटर से आधा लोड दर्शाता है। इस प्रकार सुखीराम का बिजली बिल अपने भाई दुखीराम से आधा आता है जबकि दोनों के द्वारा एक समान बिजली के प्वाइंट का उपयोग किया जाता है। बिजली की खपत कम आने का कारण सुखीराम की समझदारी थी, वे सीएफएल, ट्यूब लाईट, इलेक्ट्रानिक चोक, ऊर्जा बचत पंखा, इलेक्ट्रानिक पंखा रेग्यूलेटर व लेड का नाइट लैंप इस्तेमाल करते थे। इसके विपरीत दुखीराम उतनी ही रौशनी के लिये अधिक वॉट खर्च करने वाले बिजली के सामान्य उपकरणों का इस्तेमाल करते थे।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी का मंडप जनाकर्षण का केन्द्र बना रहा । इसका निरीक्षण महामहिम राज्यपाल श्री शेखर दत्त, मान. विधानसभा अध्यक्ष श्री धरम लाल कौशिक, माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, मान. मंत्री संस्कृति एवं शिक्षा श्री बृजमोहन अग्रवाल, छ.ग. शासन के मुख्य सचिव – पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री पी.जॉय उम्मेन, प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आगंतुको के द्वारा किया गया।

एक सदी का हुआ जन–गण–मन

गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा रचित जन–गण–मन ने 27 दिसंबर 2011 को अपने उद्‌भव की एक शताब्दी पूर्ण कर लिया। इसे पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता सत्र में 27 दिसंबर 1911 को गाया गया था। भारत देश की संस्कृति, समृद्धि, सम्पन्नता और गौरव गाथा को व्यक्त करने वाले इस गान को संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 में राष्ट्रगान का दर्जा दिया था।

देश के प्रति सम्मान व राष्ट्रप्रेम की भावना जताने के लिए जनता में लोकप्रिय खास गीत को ही शासकीय तौर पर राष्ट्रगान का दर्जा दिया गया है। अन्य गीतों की तुलना में राष्ट्रगान की भावना अलग ही होती है। इसमें मुख्य भाव राष्ट्रभक्ति की भावना है। जन–गण–मन की धुन आंरभ होते ही रोमांच–सा पैदा हो जाता है। जेहन में राष्ट्रभक्ति की भावनांए चरम पर उत्पन्न होकर हिलोरे भरती है। राष्ट्रगान के रूप में जन–गण–मन के गायन की अवधि लगभग 52 सेकंड है। कुछ अवसरों पर इसे संक्षिप्त रूप में भी गाया जाता है। इसके तहत इसकी प्रथम तथा अंतिम पंक्तियां का ही उच्चारण किया जाता हैं, जिसमें करीब 20 सेकंड का समय लगता है।

राष्ट्रगान भारतीयों को बहुत ही प्यारा है। यह गान राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत–प्रोत है। जन–गण–मन में भारत की भौगोलिक, सामाजिक रचना पूरी तरह समाहित है। राष्ट्रगान की गरिमा को बनाए रखने के लिए इसे गाए या बजाये जाने पर श्रोताओं को सावधान की मुद्रा में खड़े रहना चाहिए।

राष्ट्रगान को सौ वर्ष पूरे हो गऐ ये बहुत गर्व की बात है। यह गान हिन्दुस्तान को आजाद करने के लिए लिखा और गाया गया था, इसे बाद में जनप्रतिनिधियों ने राष्ट्रगान के रूप में गाए जाने का फैसला लिया। जन–गण–मन राष्ट्रगान में हिन्दुस्तान का पूरा नक्शा नजर आता है। इसे प्रत्येक भारतीय द्वारा सम्मान से गाया जाना चाहिए।

स्वदेशी मेला में पॉवर वितरण कंपनी की भागीदारी

मान. मुख्यमंत्री ने किया पॉवर कंपनी–ऊर्जा विभाग के मण्डप का अवलोकन

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी रायपुर द्वारा 23 से 29 दिसम्बर 2011 तक शंकर नगर बीटीआई ग्राउन्ड में आयोजित स्वदेशी मेला में भागीदारी दी गई। पॉवर कम्पनी द्वारा विद्युत उत्पादन, वितरण एवं पारेषण के क्षेत्र में की जा रही प्रगति एवं भविष्य की योजनाओं के संबध में होर्डिंग्स एवं डिसप्ले बोर्ड के माध्यम से आमजनता को अवगत कराया गया है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को प्रदत्त की जाने वाली सुविधाओं–सेवाओं, बिजली बचत की जानकारी तथा घरेलू उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक एनर्जी उपकरणों का इस्तेमाल कर बिजली बचाने के संबंध में भी जानकारी प्रस्तुत की गई है।

पॉवर कम्पनी के मंडप में ग्रामीण विद्युतीकरण, एकलबत्ती कनेक्शन, पारेषण लाईन, ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं सहित पॉच हार्स पॉवर सिंचाई पम्प वाले कृषि उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली, बिजली उपभोक्ताओं को उनकी बिजली संबंधी समस्याओं के निवारण करने संबंधी जानकारी भी दी जा गई , जो कि सभी आगन्तुकों के लिये उपयोगी–आकर्षण का केन्द्र बना।

मान. मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह, विधान सभा अध्यक्ष श्री धरम लाल कौशिक, नगरीय प्रशासन मंत्री राजेश मूणत, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री दिलीप सिंह होरा इत्यादि विशिष्टजनों द्वारा पॉवर कम्पनी–ऊर्जा विभाग के मंडप का अवलोकन किया गया। इस दौरान पॉवर वितरण कम्पनी के अधीक्षण अभियंता श्री पी.के. खरे एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने आगन्तुकों को विद्युत प्रगति की जानकारी दी।

एमडी श्री जनार्दन कर की उत्पादन संकाय के अभियंताओं के साथ बैठक

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी के नवनियुक्त प्रबंध निदेशक श्री जनार्दन कर ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत उत्पादन संकाय के मुख्य अभियंताओं की महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन की दृष्टि से प्रचुर संभावनाओं से भरापूरा राज्य है। इस आधार पर यह देश का पॉवर हब बनने की ओर अग्रसर है। इसे साकार करने उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं को यथासमय पूर्ण करने तथा प्रस्तावित परियोजनाओं को शीघ्र आरम्भ करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में शामिल मुख्य अभियंताओं से उन्होंने जनरेशन कंपनी की नई तथा पुरानी परियोजनाओं, विद्युत उत्पादन एवं मांग, निर्माणाधीन–प्रस्तावित परियोजनाओं की समस्याओं–समाधानों के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि टीम वर्क के माध्यम से हर आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। कोरबा को अपनी प्रारंभिक कर्मस्थली बताते हुये उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से उनका आत्मिक लगाव रहा है। यह लगाव और छत्तीसगढ़ के संबंध में जानकारी तथा ऊर्जा क्षेत्र में राज्य शासन की विशेष अभिरूचि उत्पादन कंपनी को आगे बढ़ाने में प्रबल सहायक होगी।

मान. मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह ने किया 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र गंडई का शिलान्यास

छत्तीसगढ़ राज्य की पहचान आज पूरे देश में विद्युत की उपलब्धता और उन्नत होती अधोसंरचना बन गई है। इसका और विकास करने हेतु आगामी तीन वर्षों में 17 हजार करोड़ रूपये का निवेश करने कदम उठाये गये हैं। गॉव गॉव के अन्तिम छोर तक पर्याप्त वोल्टेज पर बिजली पहुंचाने के लिये हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं, फलतः 97 प्रतिशत से अधिक गॉवों तक बिजली पहुंचाने में कामयाबी मिली है। समुचित वोल्टेज पर बिजली पहुंचाने हेतु 70 अतिउच्चदाब उपकेन्द्र क्रियाशील कर लिये गये हैं। उक्त विचार माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह ने 13 नवम्बर 11 को गंडई में 15.50 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाले विशाल विद्युत उपकेन्द्र के भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह में व्यक्त किये।

आगे उन्होंने बताया कि विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के क्षेत्र में अनेक परियोजनाओं का कार्य आरम्भ किया गया है। यही वजह है कि बिजली के मामलें में छत्तीसगढ़ ने देश के अनेक विकसित राज्यों को पीछे छोड़ दिया है । छत्तीसगढ़ वर्तमान में बिजली कटौती मुक्त राज्य के नाम से जाना जा रहा है। भविष्य में भी यह स्थिति बनी रही इस हेतु आगामी एक वर्ष के भीतर 1500 मेगावाट के विद्युत संयंत्र को क्रियाशील कर लिया जायेगा। उत्पादन के साथ साथ पारेषण प्रणाली को विकसित करने हेतु आगामी तीन वर्षों में 24 नये अतिउच्चदाब क्षमता के उपकेन्द्रों के निर्माण की कार्ययोजना बनाई गई है।

इस अवसर पर समारोह के अध्यक्ष मान. सांसद मधुसूदन यादव, मान. संसदीय सचिव श्री कोमल सिंह जंघेल एवं नगर पंचायत अध्यक्ष श्री टेकम देवांगन, मान. श्री अशोक शर्मा जी, मान. श्री लीलाराम भोजवानी जी, मान. श्री खूबचंद पारख जी, मान. श्री सिद्धार्थ सिंह जी, मान. श्री दिनेश गांधी जी, मान. श्रीमती शबाना बाई जंघेल, मान. श्री निजाम सिंह मंडावी जी ने छत्तीसगढ़ के किसानों की उन्नति में बिजली की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण ठहराया। उन्होंने कहा कि कृषि पम्पों के ऊर्जीकरण से लेकर ग्रामीण विद्युतीकरण के मामलें में रिकार्ड तोड़ कार्य पूर्ण हुये हैं। राजनांदगांव, कवर्धा जिले के 655 घरेलू, कृषि तथा छोटे बड़े उद्योगों को गुणवत्तापूर्ण बिजली देने हेतु गंडई में निर्मित किया जाने वाला 132/33 उपकेन्द्र अत्यन्त लाभदायी सिद्ध होगा।

कार्यक्रम के आरम्भ में छ.ग.शासन के ऊर्जा सचिव श्री अमन सिंह ने गंडई में निर्मित किये जाने वाले 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र के संबंध में जानकारी दी कि 40 एमव्हीए क्षमता के इस उपकेन्द्र का लाभ राजनांदगांव व कवर्धा जिले के गंडई, सालेवारा, रेंगाखार, सहसपुर लोहारा, बिडोरा, खैरागढ़, वीरेन्द्रनगर, बुंदेली, अतरिया,अमलीपारा एवं इनके आसपास के 66 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगा। इस उपकेन्द्र हेतु 25 किलोमीटर लम्बी 132 के.व्ही. क्षमता की लाईन खींची जायेगी। कम दूरी की लाईन होने से लोवोल्टेज का निदान होगा तथा विद्युत व्यवधान को जल्द दूर किया जा सकेगा। समारोह में राजनांदगांव के कलेक्टर श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने स्वागत उद्बोधन व्यक्त किया तथा आभार प्रदर्शन पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस.कलसी ने किया। अतिथियों का स्वागत कार्यपालक निदेशक श्री एस.डी.दीवान, मुख्य अभियंता सर्वश्री विजय सिंह, डब्लू.आर.वानखेड़े, शारदा सिंह, श्री एम.के. शुक्ला इत्यादि ने किया। कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने किया।

"बिजनेस मैनेजमेंट एवं आईटी बेस्ड साल्यूशन" पर कार्यशाला का आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के अभियंताओं के लिये "बिजनेस मैनेजमेंट एवं आईटी बेस्ड सोल्यूशन" पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 18 नवम्बर से 20 नवम्बर 11 तक किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ छ.ग.राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज डे के मुख्य आतिथ्य तथा सदस्य श्री बी.के.शर्मा, वितरण कंपनी के संचालक श्री एस.डी.दीवान के विशिष्ट आतिथ्य में गुढ़ियारी स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री मनोज डे ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि प्रशिक्षण एक सतत् प्रक्रिया है, यह जन्म से लेकर जीवन पर्यन्त तक चलता है। इसका लाभ लेकर हम संस्थान को उत्तरोत्तर प्रगति की ओर ले जा सकते हैं।

आगे श्री डे ने कहा कि इस प्रशिक्षण से वितरण कंपनी के अभियंतागण भविष्य के लिये सुनियोजित कार्ययोजना बनाकर विद्युत विकास के क्षेत्र में प्रगति करने में कामयाब होंगे। यह कार्यशाला विजन, प्लानिंग एवं क्वालिटी सर्विस में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि नियामक आयोग पारेषण एवं वितरण हानि में कमी लाने के उद्देश्य से आगे भी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करेगा। नियामक आयोग के सौजन्य से आयोजित यह कार्यशाला उपभोक्ता सेवा को और बेहतर बनाने, ऊर्जा हानि में कमी करने, वाजिब दाम पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने, बिलिंग तथा देयक संग्रहण के लिये सूचना प्रोद्योगिकी का उपयोग करने जैसे उद्देश्यों पर आधारित है।

शुभारम्भ कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नियामक आयोग के सदस्य श्री बी.के.शर्मा एवं वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक एवं संचालक श्री एस.डी. दीवान उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री बी.के. शर्मा ने बताया कि विद्युत अधिनियम 2003 वाजिब दाम पर गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति करने के उद्देश्य से बनाया गया है। इसमें पॉवर वितरण कंपनी की अहम भूमिका है। बिजली चोरी एवं ऊर्जा हानि कंपनी के लिये बाधक बनी हुई है। ऊर्जा हानि में कमी करके तथा बिजली चोरी पर अंकुश लगाकर विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करना आवश्यक है। इसी क्रम में संचालक श्री एस. डी.दीवान ने कहा कि प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या और विद्युत की खपत में बीते एक दशक में कई गुना वृद्धि हुई है। ऐसे दौर में गुणवत्ता पूर्ण बिजली की आपूर्ति एक चुनौती भरा कार्य है, जिसे पूर्ण करने वितरण कंपनी नई तकनीकी को प्रयोग में लाने अग्रसर है।

उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण देने हेतु अधिकृत संस्थान इंजीनियरिंग स्टाफ कालेज आफ इंडिया हैदराबाद देश का एक वृहद संस्थान है इसके 6 लाख से अधिक सदस्य है। 50 से अधिक विषयों पर व्याख्यान दिया जाता है। इसी क्रम में ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें कोर्स डायरेक्टर श्री आर.व्ही. चलापती श्री एस.गणेश बाबू, श्री एम.रामा मोहन, श्री जे.बी.वी. सुब्रमण्यम वितरण कंपनी के अभियंताओ को प्रशिक्षण दिया। इसमें पॉवर वितरण कंपनी के 23 ट्रेनिज ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यक्रम के शुभारम्भ में अतिथियों एवं प्रशिक्षणकर्ताओं का स्वागत नियामक आयोग के सचिव श्री एन.के. रूपवानी, श्री शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विनय पाण्डे एवं आभार प्रदर्शन मुख्य अभियंता (ट्रेनिंग) श्री गंगाराम साहू ने किया।

नफा ही नफा है–रक्तदान में

पॉवर कंपनी के 52 विद्युत कर्मियों ने किया रक्तदान

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी मुख्यालय में 22 दिसम्बर 11 को आयोजित रक्तदान शिविर में 52 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्त दान किया। शिविर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय का "मोबाइल ब्ल्ड डोनेशन व्हीकल" जनाकर्षण का केन्द्र रहा। 1.5 करोड़ की लागत के इस व्हीकल की रक्त संग्रहण क्षमता 200 ब्लड यूनिट है जिसमें एक साथ 4 लोगो द्वारा रक्तदान किया जा सकता है। प्रातः साढे नौ बजे से ही रक्तदान महादान को चरितार्थ करते हुए पुरूष–महिला कर्मियों ने निस्वार्थ रक्तदान में बढ चढकर अपनी भागीदारी दी।

शिविर में पॉवर कंपनी के प्रबध निदेशक सर्वश्री पी.एल.विधानी, जी. एस.कलसी, डॉ. एस.पी.शर्मा, डारेक्टर श्री सी.पी.पाण्डेय, ई.डी. श्री अजय दुबे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित थे। इन्होंने विद्युत कर्मियों में रक्त दान के प्रति प्रदर्शित जागरूकता को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि दान से प्राप्त रक्त एक समय में एक से अधिक जिन्दगी बचाने में सहायक होता है। विश्व के सभी धर्मो में रक्त दान को महादान की संज्ञा दी गई है। रक्तदान जाति धर्म से परे जनमन को एक सूत्र में पिरोने का भी काम करता है ।

रक्त दान शिविर के सफल संचालन हेतु ब्लड बैंक स्टाफ के प्रभारी डा. व्ही कापसे के साथ डॉ. सुप्रित अजमानी, डॉ. महेश सांडिया, पराग केहरी, शबीर खान, तरूणी सेन भोई, गिरीष ठाकुर, नवल महाडिक, स्वीकार राव नायडू, सरोज कुमार कुर्रे ने अपनी उल्लेखनीय सेवायें दी। विदित हो कि ब्लड बैंक से ब्लड रूपये देकर खरीदा नहीं जा सकता बल्कि रक्त के बदले ही रक्त की प्राप्ति होती है। शिविर में पॉवर कंपनी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.आर.जी.पिल्लई, डॉ. श्रीमती ऊषा पिल्लई, डॉ. के.एस.छाबड़ा ने विद्युत कर्मियों को रक्तदान की महत्ता बताते हुए अनेक शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने बताया कि दर्द रहित प्रक्रिया रक्तदान से नुकसान नहीं बल्कि नफा ही नफा है। नियमित रक्तदान करने से शरीर की अंदरूनी सफाई होती रहती है जिसके अनेक फायदे है। शिविर के आयोजन में पॉवर कंपनी के मानव संसाधन विभाग के अधिकारी श्री हेमंत सचदेवा, जितेन्द्र मेहता, चिकित्सालय की वरिष्ठ नर्स करूणा सागर आदि की उल्लेखनीय भूमिका रही।

पुरैना उपकेन्द्र में फ्यूज आफ कॉल सेन्टर एवं एटीपी मशीन स्थापित

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कम्पनी द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा में सतत वृद्धि की जा रही है। समूचे प्रदेश में विद्युत विषयक कठिनाईयों के त्वरित निदान हेतु फ्यूज आफ काल सेन्टर एवं एटीपी मशीन की स्थापना में तेज गति लाई गई है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुये राजधानी रायपुर के नगर संभाग दक्षिण के अन्तर्गत पुरैना उपकेन्द्र में नया फ्यूज आफ कॉल सेन्टर एवं नई एटीपी मशीन का शुभारम्भ 15 दिसम्बर 11 को किया गया। इस नई शुरूआत के संबंध में सिटी सर्किल–1 के अधीक्षण अभियंता श्री पी.के. खरे ने बताया कि नये कॉल सेन्टर के अन्तर्गत पुरैना, राजेन्द्र नगर, कांशीराम नगर, अम्लीडीह, पचपेढ़ी नाका, देवपुरी, फुण्डहर आदि क्षेत्र के उपभोक्ताओं की विद्युत विषयक समस्याओं का त्वरित निदान हो सकेगा।

कॉल सेन्टर के साथ ही उपभोक्ताओं की सहूलियत को देखते हुये विद्युत देयक जमा करने हेतु आल टाईम पेमेंट मशीन की भी स्थापना की गई है। इसके माध्यम से उपभोक्तागण सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे

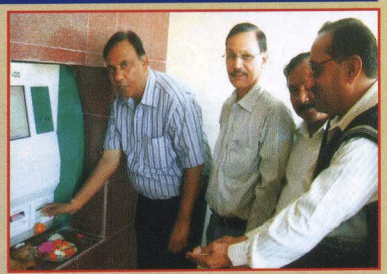

तक अपने देयकों का भुगतान सरलता से कर सकते हैं। ए. टी.पी. मशीन की सुविधा उपभोक्ताओं को अवकाश के दिनों में भी प्रदान की जायेगी। इस एटीपी मशीन के माध्यम से नगर संभाग दक्षिण के अलावा नगर संभाग उत्तर, नगर संभाग पूर्व एवं नगर संभाग पश्चिम के उपभोक्तागण भी अपने देयकों का भुगतान 30 दिन कर सकते हैं। फ्यूज आफ कॉल सेन्टर एवं एटीपी मशीन के शुभारम्भ अवसर पर कार्यपालन अभियंता सर्वश्री एम. डी.त्यागी, एस.आर. श्रेष्ठ, ए.एन.दुबे, सहायक अभियंता श्री वाय.के. सिंघई, विनय चन्द्राकर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पॉवर कंपनी में प्राकृतिक चिकित्सा पर व्याख्यान का आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के विद्युत सेवा भवन में अधिकारियों–कर्मचारियों के लाभार्थ प्राकृतिक चिकित्सा पर व्याख्यान का आयोजन 02 दिसम्बर 11 को किया गया। प्राकृतिक चिकित्सक डॉ0 विवेक भारती ने भागमभाग जिंदगी, अनियमित खान–पान–दिनचर्या का जनमन में पड़ने वाले दुष्प्रभावों एवं उपचार पर केन्द्रित व्याख्यान दिया । उन्होंने कहा कि स्वस्थ आदमी का माथा ठंडा, पेट नरम एवं पैर गरम होना चाहिये । सहजता से ऐसा संभव तभी होगा जब तन–मन को तोड़ने वाले आहार–व्यवहार का त्याग कर जोड़ने वाले तत्वों को अमल में लाया जायें । इसके लिए उन्होंने प्रतिदिन फलसहित दो वक्त का भोजन, तीन लीटर जल का सेवन, एक घंटा व्यायाम एवं सुबह–शाम उपासना के साथ सप्ताह में एक दिन का उपवास को कारगर मंत्र बताया ।

इस अवसर पर पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशक सर्वश्री पी.एल.विधानी, जी.एस.कलसी, डॉ0 एस.पी.शर्मा एवं श्री जनार्दन कर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे । कार्यक्रम के आरंभ में होल्डिंग कंपनी के महाप्रबंधक श्री कैलाश नारनवरे ने विशिष्टजनों का स्वागत किया एवं आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम में पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विधानी ने कहा कि एक व्यक्ति का स्वास्थ्य अनेक व्यक्ति को प्रभावित करता हैं । अतः स्वास्थ के प्रति जागरूकता हर वक्त की मांग है । उन्होंने शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक स्वास्थ्य को प्रभावी ढंग से परिभाषित किया।

व्याख्यान के दौरान डॉ0 विवेक भारती ने बताया कि अनियमितता ही बीमारी का घर है, अतः इससे बचने के लिए नियमित आहार के साथ निराहार को भी दिनचर्या में शामिल करना चाहिये । सप्ताह में एक दिन निराहार रहने पर पाचन तंत्र को रिचॉर्ज होने का अवसर मिलता हैं । आगे उन्होंने जानकारी दी कि मिट्टी, जल, वायु, उष्मा आदि से मनुष्य का शरीर निर्मित हुआ है । इनसे बढ़ती दूरियां ही आदमी को रोगग्रस्त बना रही हैं । प्राकृतिक चिकित्सा में इन्हीं तत्वों के माध्यम से व्याधियों को दूर कर स्वस्थ रहने का नुस्खा बताया जाता है । उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चिकित्सक के प्रति विश्वास होना ही मरीज को रोगमुक्त बना सकती है, विश्वास के अभाव में चिकित्सक के प्रयास संग औषधियां भी कम प्रभावी हो जाती हैं ।

कार्यक्रम का संयोजन अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री ओ.पी. खंडेलवाल, संचालन औद्योगिक संबंध अधिकारी श्री आर. डी.सिंह एवं आभार प्रदर्शन जनसंपर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने किया ।

होल्डिंग कंपनी से स्थानांतरित कर्मियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग से पारेषण एवं उत्पादन कंपनी में स्थानांतरित अधिकारियों–कर्मचारियों की भावभीनी विदाई होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री पी.एल. विधानी के मुख्य आतिथ्य में हुई। विदाई समारोह में प्रबंधक श्री एन.के. कागदे सहित सर्वश्री एन.के.दीवान, श्री सुन्दर लाल विश्वकर्मा, श्री उमेश कुमार पटेल, श्रीमती रेणुका मोडक, श्रीमती साम्या बानो, को पुष्पगुच्छ एवं प्रतीकात्मक भेंट प्रदान किया गया। समारोह में प्रबंध निदेशक श्री विधानी, महाप्रबधक श्री कैलाश नारनवरे ने स्थानांतरितजनों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि मानव संसाधन विभाग के अनुभव का लाभ अन्य कंपनियों में भी वे बेहतर ढंग से देकर अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब होंगे। समारोह में अन्य उच्चाधिकारी सर्वश्री ओ.पी. खण्डेलवाल, डी.डी. पात्रीकर, एस.आर.बांधे, सी.एस.ठाकुर, आर.डी.सिंह, डी.के.शुक्ला, एस.के. तिवारी ने भी विदा लेते अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित कर अपनी मंगलकामनायें व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन प्रशासनिक अधिकारी श्री राम प्रसाद राव ने किया।

अन्तर्क्षेत्रीय टेबल टेनिस स्पर्धा में रायपुर क्षेत्र टीम चैम्पियन एवं कोरबा पूर्व रनरअप

राजनांदगांव क्षेत्र में अन्तर्क्षेत्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 26 नवम्बर 2011 तक किया गया। इसमें राजनांदगांव, बिलासपुर, अंबिकापुर, कोरबा पूर्व, कोरबा पश्चिम, रायपुर क्षेत्र एवं रायपुर मुख्यालय के खिलाड़ियों ने भाग लिया। स्पर्धा में रायपुर क्षेत्र टीम चैम्पियन एवं कोरबा पूर्व रनरअप रही। विजयी खिलाड़ियों को राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री शारदा सिंह ने रनिंग शील्ड देकर पुरस्कृत किया।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में श्री रजनीश ओबेराय, रायपुर क्षेत्र विजेता एवं श्री राम सांवले रायपुर क्षेत्र उपविजेता तथा महिला वर्ग में श्रीमती एस.मोईत्रा बिलासपुर क्षेत्र, विजेता एवं कु0 श्रद्धा वर्मा रायपुर मुख्यालय उपविजेता रही।

इसके अलावा युगल प्रतियोगिता में श्री राम सांवले–रजनीश ओबेराय विजेता एवं श्री टी.पी.सिंह– श्री बसंत श्रीवास्तव कोरबा उपविजेता रहे। महिलाओं की युगल प्रतियोगिता में श्रीमती शोभना सिंह–कु0 श्रद्धा वर्मा विजेता तथा श्रीमती मधुलिका मित्रा–कु0 दिव्या आमेद रायपुर क्षेत्र उपविजेता रही।

प्रतियोगिता का सफल संचालन श्री अशोक कुमार पिल्लई, कल्याण अधिकारी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक श्री बलवीर सिंह भाटिया एवं श्री अरूण चौधरी थे।

पॉवर कम्पनी में न्यूरोपैथी डिटेक्शन शिविर का आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कम्पनी के गुढ़ियारी स्थित चिकित्सालय में दो दिवसीय न्यूरोपेथी डिटेक्शन शिविर का शुभारम्भ कम्पनी के डायरेक्टर श्री एस.डी. दीवान के करकमलों से 23 नवम्बर 11 को हुआ। शिविर का लाभ लेने बड़ी संख्या में विद्युत कम्पनी के अधिकारी–कर्मचारी एवं उनके परिवारजनों ने पंजीयन कराया। इस अवसर पर श्री दीवान ने उत्तम स्वास्थ्य को समृद्धि की कुंजी बताते हुये कहा कि बढ़ते प्रदूषण, भागमभाग जिन्दगी में तनावपूर्ण दिनचर्या के कारण अधिकांश व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ रखा है। जिसमें से डायबिटीज एक सामान्य रोग हो चला है। इससे ग्रस्त व्यक्ति के लिये डायबिटिक न्यूरोपैथी डिटेक्शन शिविर अत्यन्त लाभप्रद होगा।

शिविर में उपस्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.आर.जी. पिल्लई एवं शिविर संयोजक डॉ0 विवेक गोले ने बताया कि डायबिटिक न्यूरोपैथी डायबिटीज के मरीजों के स्नायुयों के क्षतिग्रस्त हो जाने का एक प्रकार है। इसके कारण शरीर के कुछ हिस्सों में झुनझुनी अथवा सुन्न पड़ जाने, पैरों की संवेदनशीलता कम हो जाने की शिकायत बढ़ जाती है, जिसके प्रति जागरूकता के न होने पर रोगी की स्थिति अत्यन्त गंभीर हो जाती है। इससे बचने के लिये डायबिटिक पेशेंट को न्यूरोपैथी डिटेक्शन के प्रति सजग होना चाहिये। डायबिटिक पेंशेंट को हदृय की बीमारी, लकवा, दिल का दौरा, ऑखों की बीमारी का विशेष खतरा होता है। अतः डायबिटीज को नियंत्रित करने हेतु नियमित व्यायाम, प्रातः भ्रमण और खानपान के प्रति सतर्कता के साथ ही पैरों के प्रति विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है।

शिविर का आयोजन बहुराष्ट्रीय कंपनी एबॅट हेल्थ केयर तथा मर्क इंडिया के सौजन्य से किया गया है। इनसे सम्बद्ध मोहम्मद सरफराज, शाहिद खान, अमित सिंह, सतीश वर्मा द्वारा शिविर में पधारे विद्युत कर्मियों की सूक्ष्मतापूर्वक जॉच की गई तथा चिकित्सकों के माध्यम से उचित परामर्श दिया गया। शिविर के शुभारम्भ समारोह में रायपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री एल.एन. इरंकी, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पी.एम. राव, डॉ0 अशोक पेंडारकर, मुख्य अभियंता श्री संदीप चौधरी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित थे।

आल इंडिया लॉन टेनिस स्पर्धा में पॉवर कंपनी को कांस्य पदक

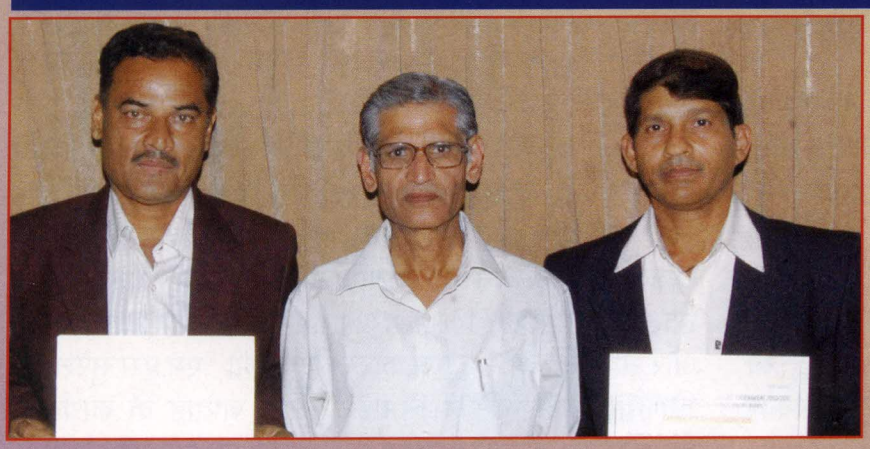

अखिल भारतीय विद्युत मण्डल लॉन टेनिस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी की टीम को कांस्य पदक अर्जित करने का गौरव प्राप्त हुआ है। विद्युत मण्डल के इतिहास में पहली बार दर्ज इस ऐतिहासिक जीत को कार्यपालन अभियंता श्री ऋषि कुमार बंछोर (रायपुर) एवं सहायक अभियंता श्री भूपेन्द्र कुमार साव (कोरबा) ने अपने उत्कृष्ट खेल के बूते मध्यप्रदेश को पराजित कर हासिल किया। छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी की टीम में श्री बंछोर एवं श्री साव के साथ ही श्री एस. के.शर्मा, व्ही.के.विश्वकर्मा एवं आर.के. शास्त्री शामिल थे।

इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिये विजयी खिलाड़ियों को पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री पी.एल. विधानी सहित केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के पदाधिकारियों ने बधाई देते हुये भविष्य में भी उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिये शुभकामनायें दी। विदित हो कि ऋषि कुमार बंछोर एवं श्री भूपेन्द्र कुमार साव ने ओपन डबल्स के मैच में मध्यप्रदेश की टीम को पराजित किया। अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मंडल के बेनर तले चंडीगढ़ में आयोजित लॉन टेनिस स्पर्धा में देशभर के 12 संस्थानों ने अपनी भागीदारी दी, जिसमें विजेता केरल की टीम तथा उपविजेता उत्तरप्रदेश की टीम रही।

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया गया

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 3 से 9 दिसंबर 2011 तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। श्री एस. एन.अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में तथा श्री अजय श्रीवास्तव कारखाना प्रबंधक की अध्यक्षता एवं श्री एन.के. बिजौरा अधीक्षण यंत्री श्री एच.एन.कोसरिया अधीक्षण यंत्री के विशिष्ट आतिथ्य में "सुरक्षा बाती दीप" प्रज्वलन कर औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह प्रारंभ किया गया। उदघाटन समारोह में भोपाल त्रासदी पर एक फिल्म भी दिखाई गई।

इस संरक्षा सप्ताह में आयाजित नारा प्रतियोगिता में तकनीकी कर्मचारी वर्ग से श्री आर.एल.कर्ष, श्री राजेश चौधरी, श्री पी.एल.पाण्डेय, कार्याल्यीन कर्मचारी वर्ग से श्री ए. डी.शर्मा, श्री कमलेश सिंह, श्री रंजीत सेनगुप्ता, अधिकारी वर्ग से श्री अजय श्रीवास्तव, श्री एस.एन.चोरनले, श्री धनेश राठौर, ठेका श्रमिक वर्ग से श्री रनसाय यादव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार जीते।

"संरक्षा के नियमों का पालन करने में न करो कोताही, बड़ी दुर्घटना को जन्म देती है, छोटी सी लापरवाही।"

इस नारे को समस्त श्रोताओं द्वारा सराहा गया।

संरक्षा कविता प्रतियोगिता मं तकनीकी कर्मचारी वर्ग से श्री जे.एल.पटेल, श्री संतोष शर्मा, श्री रविन्द्र साहू, कार्यालयीन कर्मचारी वर्ग से श्री कमलेश सिंह, श्री रंजीत सेन गुप्ता, श्री ए.डी. शर्मा, अधिकारी वर्ग से श्री एस.एन.चोरनल, श्री आर. अरविंद ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार जीते। इन प्रतियोगिताओं में श्री बी.के.चतुर्वेदी, श्री डी.आर सूर्यवंशी, श्री एस.पी.साहू, श्री किशन कुमार गायकवाड़, श्री आर.के. उज्जैनी, श्री एस.के.सईद ने प्रोत्साहन पुरस्कार जीते।

बच्चों के लिये आयोजित सुरक्षा चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा दो तक वर्ग (अ) में कु. सुभाग्या श्रीवास्तव, कु. आकांक्षा पटेल, श्री रोहन गोयल, कक्षा तीन से कक्षा पांच तक के वर्ग (ब) में कु. खुशी राव, कु. अपराजिता हजारा, श्री महेन्द्र कुमार कुर्रे, कक्षा छः से कक्षा आठ तक के वर्ग (स) में कु. श्रुती राठौर, श्री अखिल चौधरी, श्री अनिकेत जैन एवं कक्षा नवमीं से कक्षा बारहवीं तक के वर्ग (द) में श्री तेजराम, श्री प्रतीक चांदुलीकर, श्री अनिनुध इंगले ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय पुरस्कार जीते। सुरक्षा चित्रकला प्रतियोगिता में कुल 60 बच्चे शामिल हुये।

उपरोक्त सभी विजेता प्रतियोगियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री एस.एन.अवाल ने अपने उद्बोधन में संरक्षा के प्रति जागरूकता इस सप्ताह तक सीमित न रखकर वर्ष भर बनाये रखने की अपील की। कारखाना प्रबंधक श्री अजय श्रीवास्तव ने सुरखा कार्यक्रमों में ठेका श्रमिको की भागीदारी बढ़ाने हेतु प्रेरित करने का आव्हान किया। श्री एन. के.बिजौरा ने सुरक्षा कार्यक्रमों में ठेका श्रमिकों की भागीदारी बढ़ाने हेतु प्रेरित करने का आव्हान किया। श्री एन.के बिजौरा ने सुरक्षा कार्यक्रमों मे नये चेहरों को शामिल होने की अपील की। श्री एच.एन. कोसरिया ने सुरक्षा चित्रकला प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले सभी 60 बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता की प्रशंसा करते हुये सभी पुरस्कार जीतने वाले बच्चों को बधाई दी।

इस सुरक्षा सप्ताह के कार्यक्रमों में ठेका श्रमिक के विशेष प्रशिक्षण श्री टी.के.हाजरा संरक्षा अधिकारी, श्री डी.के.घोष सहा. अभियंता द्वारा दिया गया। समापन कार्यक्रम में श्री आर. अरविंद कार्यपालन अभियंता (संचार विभाग) द्वारा सुरक्षा फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताअें में श्री आर.सी.जैन, श्री ए.एस.कोरम एवं श्री एम.एस.सुरेश ने निर्णायकों की भूमिका निभाई। संरक्षा सप्ताह के कार्यक्रमों का संचालन श्री रविन्द्र साहू द्वारा सफलता पूर्वक किया गया, एवं इन कार्यक्रमों में श्री पी.के.दवे वरिष्ठ कल्याण अधिकारी का विशेष सहयोग रहा। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संयोजन मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री यू. एम.गुलेछा द्वारा किया गया।

मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ नवनियुक्त एम.डी.की बैठक

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहणोपरांत श्री पी.एल.विधानी द्वारा 3 नवम्बर 2011 को मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली गई। प्रारंभिक परिचय एवं मानव संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर केन्द्रित बैठक में महाप्रबंधक श्री कैलाश नारनावरे, अति. महाप्रबंधक श्री ओ.पी. खण्डेलवाल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

श्री विधानी ने इस अवसर पर कहा कि आदमी की पहिचान उसकी बातो से नहीं उसके कार्यो से होती है, अतः सभी अधिकारी–कर्मचारी अपनी कायशैली की उत्कृष्टता की ओर विशेष ध्यान दें। "क्वालिटी ऑफ वर्क" कार्य के प्रति आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बाधाओं को सहजता से पार करते हुए मंजिल तक पहुंचाता है। आगे उन्होंने कहा कि कार्य को ज्ञान के साथ ही समर्पण भावना से लक्ष्य तक पहुचाया जा सकता है। सभी अधिकारी–कर्मचारी अपने–अपने कार्यो को "समय सीमा" पर पूर्ण करे यही मेरी अपेक्षा है।

बैठक में कार्मिक, विधि, औद्योगिक संबंध, जनसंपर्क संकाय के कार्य और कठिनाईयों पर संबंधित अधिकारियों ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के आरंभ में महाप्रबंधक श्री नारनवरे ने नवपदस्थ प्रबंध निदेशक श्री विधानी का स्वागत किया तथा उनके मार्गदर्शन में गुणात्मक कार्य प्रदर्शन के लिए आश्वासन दिया।

पॉवर वितरण– पारेषण कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण–पारेषण कंपनी के सेवानिवृत्ति अधिकारियों/कर्मचारियों को विद्युत मुख्यालय भवन में भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में उपस्थित पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री पी.एल.विधानी एवं पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस.कलसी एवं वितरण कंपनी के संचालक श्री एस.डी.दीवान ने सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता श्री गंगाराम साहू सहित अन्य कर्मियों को प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके सपरिवार उज्ज्वल भविष्य की कामना की । इस अवसर पर प्रबंध निदेशकों ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि किसी भी अधिकारी–कर्मचारी की सेवानिवृत्ति एक अनिवार्य प्रशासनिक प्रकिया है। संस्थान में सेवारत रहते हुये संस्था के प्रति लगाव बन जाता है, जिससे अलगाव के वक्त पीड़ा तो होती है परन्तु सेवायात्रा में की गई उत्तम सेवा आजीवन संतोष भी प्रदान करती है।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य अभियंता श्री साहू सहित सीनियर मेडिकल आफिसर श्री वाई.सी. बंसोडे, सर्वश्री जे.पी. जयसवाल, टी.के.बनर्जी, हीरा लाल यादव, नीलकंठ ठाकुर, लक्ष्मण लाल साहू, श्याम लाल यादव एवं लखन सिंह चौहान ने अपनी सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपनी सफलतम सेवा का आधार बताया। सेवानिवृत्तजनों को विदाई समारोह में उपस्थित अधिकारियों–कर्मचारियों ने भी शुभकामनायें देते हुये उनके सपरिवार सुखमय जीवन की कामना की।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के जीवन परिचय पर जनसम्पर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा एवं श्री योगेश नैय्यर ने प्रकाश डालते हुये कार्यक्रम का संचालन किया।

पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में दीपावली मिलन समारोह संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज डे, श्रीमती छवि डे एवं ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस.कलसी तथा श्रीमती गुरमीत कौर कलसी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर जीवन में विभिन्न उत्सवों की उपादेयता को अतिथियों द्वारा व्यक्त किया गया। उन्होंने समस्त उपस्थितजनों को शुभकामनायें देते हुये जीवन में अनवरत् आलोकित होते सुखी रहने की कामना की।

दीपावली समारोह में अभियंताओं ने सपरिवार उपस्थित होकर उत्साह एवं उल्लास के साथ विभिन्न प्रकार के मनमोहक एवं आकर्षक प्रतियोगिताओं में अपनी हिस्सेदारी दी। प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से पति–पत्नी के बीच माल्यार्पण, कुर्सी दौड एवं साहित्य की अभिव्यक्ति संबंधी प्रतियोगितायें विशेष रूप से सराही गई। नन्हें बच्चों द्वारा प्रदर्शित विविध खेलकूद ने सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती नीलम मेहता, प्रीती शुक्ला, रीना गुप्ता, अनिता सिंह एवं श्री आर.एस.सेन ने अपना विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती तृप्ति सिन्हा ने किया।

दीपोत्सव मिलन समारोह में ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री अजय दुबे, मुख्य अभियंता सर्वश्री विजय सिंह, डब्लू.आर.वानखेड़े, पी.एम.जोग, एम.के. शुक्ला, के.एस.मनोटिया, जे.एस.भाटिया, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

आल इंडिया विद्युत मण्डल महिला टेबल टेनिस स्पर्धा में पॉवर कंपनी को कांस्य पदक

13 वीं अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मंडल के तत्वावधान में नेल्लोर (आंध्रप्रदेश) में 03 दिसम्बर से 06 दिसम्बर 11 तक संपन्न महिला टेबल टेनिस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी की खिलाड़ियों ने टीम इवेन्ट्स में कांस्य पदक अर्जित करने का गौरव प्राप्त किया है। विद्युत मण्डल के इतिहास में प्रथम बार दर्ज इस ऐतिहासिक जीत को श्रीमती एस. मोइत्रा, श्रीमती शोभना सिंह, श्रीमती ईरा पंत एवं कु0 नमिता जैन ने अपने उत्कृष्ट खेल के बूते हासिल किया। इन्होंने महाराष्ट्र की मजबूत टीम को शिकस्त देते हुये कांस्य पदक प्राप्त किया।

इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिये विजयी महिला खिलाड़ियों को पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री पी.एल.विधानी एवं ट्रेडिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक डॉ0 एस.पी.शर्मा ने बधाई देते हुये भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिये शुभकामनायें दी। 12 विद्युत मण्डलों के बीच संपन्न हुई स्पर्धा में पॉवर कम्पनी ने कांस्य पदक प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य के साथ पॉवर कम्पनीज का नाम रौशन किया है। श्री शंकर नारायण नायडू महिला टीम के मैनेजर थे।

पॉवर कम्पनी आदर्शनी महिला मंडल द्वारा स्त्री रोग पर केन्द्रित संगोष्ठि का सफल आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी आदर्शनी महिला मंडल द्वारा डंगनिया परिसर में स्त्री रोग पर केन्द्रित संगोष्ठि का सफल आयोजन 16 नवम्बर 11 को किया गया। शिविर में महिलाओं के मेन्युपॉज पर पॉवर कम्पनी की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 ऊषा पिल्लई द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में उपस्थित प्रतिभागियों को उन्होंन बताया कि मेन्युपॉज स्त्रियों के शरीर में होने वाला एक बॉयोलाजिकल चेन्ज है जो कि महिलाओं के शरीर में तकरीबन 40–45 वर्ष की आयु के आसपास आरम्भ होता है। शिविर में महिला क्लब की पदाधिकारी श्रीमती गुरमीत कलसी, श्रीमती नीलिमा श्रीवास्तव, श्रीमती प्रमिला वर्मा, श्रीमती सिंह, श्रीमती रावत, श्रीमती किरण सिंह, श्रीमती राय की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्रीमती नीलम मेहता द्वारा डॉ0 पिल्लई सहित विशिष्टजनों का स्वागत किया गया।

आगे मेन्युपॉज के कारणों पर प्रकाश डालते हुये डॉ0 पिल्लई ने बताया कि एस्ट्रोजेन हार्मोन का स्तर शरीर में कम होने पर महिलाओं में यह बॉयोलाजिकल चेन्ज आता है, जो कि एक सामान्य प्रक्रिया है। इसके आरम्भ होने पर महिलाओं में अधिक पसीना आना, नींद न आना, कमजोरी जैसे लक्षण परिलक्षित होते हैं। मेन्युपॉज से उत्पन्न होने वाली परेशानियों से बचने के लिये खाने में अंकुरित अनाज, हरी पत्तेदार सब्जी, ताजे फल, कैलशियम युक्त आहार, दूध एवं दूध से बनी चीजों के समुचित मात्रा में सेवन को डॉ0 पिल्लई ने कारगर उपाय बताया। इसके साथ ही योगा, मार्निग वॉक को दिनचर्या में शामिल करने के लिये उन्होंने जोर दिया।

शिविर के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते हुये डॉ0 पिल्लई ने कहा कि मेन्युपॉज के दौरान अत्यधिक रक्त स्राव या अन्य कोई असामान्य लक्षण की स्थिति में देर करने की बजाय जल्द से जल्द चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिये। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती रीता गुप्ता ने शिविर को अत्यधिक जानकारीपरख निरूपित किया तथा अतिथियों, प्रतिभागियों एवं डॉ0 पिल्लई के प्रति विशेष रूप से आभार प्रदर्शन किया गया।

आदर्शिनी महिला क्लब ने किया सत्य दर्शन योगा आश्रम में कम्बल एवं कपड़े दान

आदर्शिनी महिला क्लब छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी द्वारा रायपुर स्थित सत्य दर्शन योगा आश्रम के स्वामी अशेबानंद जी को कम्बल एवं कपड़े दान किये गये। कपड़े एवं कम्बल का वितरण आश्रम में निवासरत गरीब एवं निःशक्तजनों को किया गया। इस अवसर पर आदर्शिनी महिला क्लब की अध्यक्षा श्रीमती गुरमीत कौर कलसी ने बताया कि क्लब द्वारा सामाजिक उत्थान हेतु आगे बढ़कर विभिन्न संस्थाओं को सहयोग प्रदान किया जाता है. भविष्य में भी महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा समाज सेवा से जुड़े अनेक कार्यक्रमों में अपना योगदान देने का सिलसिला अनवरत् जारी रखा जायेगा. उन्होंने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर दुनिया में कोई सेवा नहीं है, अतः ऐसे पुनीत कार्यों को करने हेतु सभी को आगे आना चाहिये।

इस अवसर पर क्लब की उपाध्यक्षा श्रीमती उर्मिला शर्मा, श्रीमती नीलम मेहता, श्रीमती रीता गुप्ता, श्रीमती दिव्या पात्रीकर एवं श्रीमती

कॅवल जीत भाटिया उपस्थित थी। महिला क्लब की सभी सदस्यों द्वारा इस पुनीत कार्य हेतु यथोचित योगदान प्रदान किया गया।

व्हालीवॉल स्पर्धा में कोरबा पूर्व विजेता एवं केन्द्रीय कार्यालय की टीम उपविजेता

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी अन्तरक्षेत्रीय व्हालीवॉल स्पर्धा का आयोजन 01 से 03 दिसम्बर 11 तक अंबिकापुर क्षेत्र में सपन्न हुआ। स्पर्धा में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों से चयनित आठ टीम के खिलाड़ियों ने अपनी भागीदारी दी। अंतिम मुकाबला कोरबा पूर्व एवं रायपुर केन्द्रीय कार्यालय की टीम के मध्य हुआ। जिसमें कोरबा की टीम को विजेता एवं रायपुर केन्द्रीय कार्यालय की टीम को उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। विजयी खिलाड़ियों को पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री पी.एल.विधानी, केन्द्रीय क्रीड़ा परिषद के कार्यालय सचिव श्री हेमन्त सचदेवा, श्री डी.के. तुली सहित अन्य अधिकारियों ने बधाई दी। केन्द्रीय कार्यालय की टीम में शामिल खिलाड़ी सर्वश्री एम.आर.पी.नायर, के.एल. राहंगडाले, प्रदीप राठौर, नीरज वर्मा, इंद्रमणी पटेल, चितरंजन पण्डा, अब्राहम वर्गीस, आर.के.पाण्डेय, जी.एस.राजपूत, रामाधार यादव एवं मैनेजर श्री अशोक पाण्डे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये उपविजेता होने का खिताब हासिल किया। तीन दिवसीय अन्तरक्षेत्रीय व्हालीवॉल स्पर्धा में कोरबा पूर्व, कोरबा पश्चिम, रायपुर क्षेत्र, रायपुर केन्द्रीय कार्यालय, बिलासपुर, अंबिकापुर, राजनांदगांव एवं जगदलपुर की टीमों ने अपनी हिस्सेदारी दी।

संस्कृति से होती है, किसी भी राज्य की पहचान– श्रीमती उम्मेन

आदर्शिनी महिला क्लब की नवप्रकाशित टेलीफोन डायरेक्टरी विमोचित

आदर्शिनी महिला क्लब, छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के बेनर तले आयोजित "कुकिंग किड्स टिफिन काम्प्टीशन" एवं नवप्रकाशित टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन समारोह श्रीमती ट्रेसी जॉय उम्मेन के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती प्रीति सिंह, श्रीमती छवि डे के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीमती उम्मेन ने संदेश व्यक्त किया कि किसी भी राज्य की पहचान वहां की संस्कृति से होती है, जिसे संरक्षित रखने में महिलाओं का विशेष योगदान होता है। आदर्शिनी महिला क्लब ऐसे पुनीत कार्य में सतत् आगे बढ़े यही मेरी कामना है। नवप्रकाशित डायरेक्टरी के लिये क्लब की सदस्यों को बधाई देते हुये इसे सभी के लिये उपयोगी बताया। इसी क्रम में क्लब की अध्यक्षा श्रीमती गुरमीत कौर कलसी ने महिला मंडल के बढ़ते कदम पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रथम बार प्रकाशित डायरेक्टरी में महिला क्लब के सदस्यों का जीवन परिचय भी छायाचित्र सहित रंगीन प्रकाशित किया गया है।

कुकिंग किड्स टिफिन काम्प्टीशन में जयंति निगम प्रथम, सोनिया बघेल द्वितीय एवं नीलिमा भादे तृतीय स्थान पर रही। इन विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। ऐसे काम्प्टीशन को मनोरंजन और ज्ञानवर्धन की दृष्टि से उपयोगी बताते हुये क्लब की सदस्यों ने आयोजन समिति को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान क्लब की उपाध्यक्षा उर्मिला शर्मा, नीलम मेहता, रीता गुप्ता, नीलम श्रीवास्तव, प्रमिला वर्मा, सुषमा रावत, दिव्या पात्रीकर, सुषमा वर्मा, कवंलजीत भाटिया, आशा शर्मा,सुषमा तिवारी, सरोजनी दुबे, प्रमिला विलसन, मिथिलेश शर्मा, माधुरी वर्मा, झूमाधर, वीना ओक आदि उपस्थित थे।

परिचयावली...

श्री नरेन्द्र सिंह रावत मुख्य अभियंता

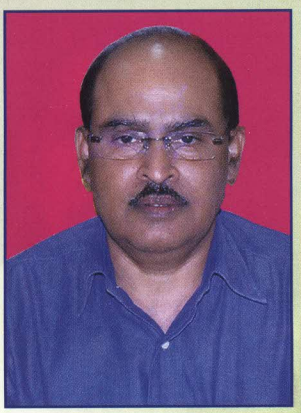

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के संचारण–संधारण–उत्पादन कार्यालय रायपुर में मुख्य अभियंता के पद पर पदस्थ श्री नरेन्द्र सिंह रावत का जन्म 01 जुलाई 1952 को डभरा जिला ग्वालियर में हुआ। अपनी माता स्व0 कलावती एवं पिता स्व0 तोताराम रावत के सुसंस्कार में अनवरत जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिली। आपने हायर सेकण्डरी की परीक्षा वर्ष 1968 में डभरा जिला ग्वालियर से उर्त्तीण की एवं वर्ष 1973 में इलेक्ट्रिकल इंजीनिरिंग में स्नातक की उपाधि एम.आई.टी.एस. ग्वालियर से अर्जित किया।

विद्या अर्जन के उपरांत आपने मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल से अपनी सेवायात्रा का आरंभ फरवरी 1976 में स्नातक प्रशिक्षु के रूप में सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी से किया। प्रशिक्षण पश्चात् वर्ष 1977 में आप सहायक अभियता के पद पर नियमित हुये। आगे वर्ष 2001 में कार्यपालन अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई एवं हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में पदस्थ किये गये।

सेवायात्रा में अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुये आप अनवरत् आगे बढ़ते रहे इसी क्रम में आपको वर्ष 2007 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में पदस्थ किए गए। आगे वर्ष 2008 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में आपकी पदस्थापना हुई । कार्य के प्रति निष्ठा और बेहतर परिणाम देने की कोशिश का सुफल वर्ष 2009 में आपको पुनः प्राप्त हुआ और मुख्य अभियंता जैसे शीर्ष पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई एवं आपकी पदस्थापना कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह में की गई। वर्तमान में आप मुख्य अभियंता (संचारण–संधारण–उत्पादन) रायपुर में अपनी सेवायें दे रहे हैं। उत्पादन कम्पनी के मानव संसाधन विभाग में भी आपको सेवायें देने का अवसर प्राप्त हुआ है।

हंसमुख–मिलनसार प्रवृत्ति आपकी विशेष पहचान है। अपनी सेवायात्रा के दौरान पुराने विद्युत गृहों से अधिकाधिक उत्पादन तथा नई परियोजनाओं को समय पर क्रियाशील कराने में आपका बहुमूल्य योगदान दिया है।

इंजीनियर कृष्ण कुमार वर्मा उत्कृष्ट अभियंता से सम्मानित

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित रायपुर में पदस्थ अधीक्षण अभियंता (सिविल), श्री कृष्ण कुमार वर्मा को 15 सितंबर 2011 को भारत रत्न सर मोक्षगुण्डम् विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस (अभियंता दिवस) पर छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री शेखर दत्त द्वारा "उत्कृष्ट अभियंता" से सम्मानित किया गया। दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स (इंडिया), छत्तीसगढ़ राज्य केन्द्र रायपुर के मानद सचिव श्री वर्मा के प्रयासो से छत्तीसगढ़ राज्य केन्द्र को उल्लेखनीय सफलताएं मिली है। आपको वर्ष 2008 में "विकास रत्न शिरोमणी 2010" में "अभियंता रत्न" द्वारा भी सम्मानित किया गया है। आप असीम आनंद एवं ऊर्जा के साथ जीवन जीने की कला रेकी में "रेकी मास्टर" है।

हमारे गौरव... श्री आर्यन दिल्लीवार

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) रायपुर कार्यालय में पदस्थ सहायक अभियंता श्रीमती संध्या दिल्लीवार एवं छ.रा.विद्युत नियामक आयोग रायपुर में पदस्थ डिप्टी डायरेक्टर श्री कमलेश दिल्लीवार के पुत्र आर्यन दिल्लीवार ने कराटे स्पर्धा में जीत हासिल कर राज्य एवं कंपनी का नाम गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि जापान कराटे एसोसिएशन आफ इंडिया रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा 03 एवं 04 दिसम्बर 2011 को इंटर स्कूल शोतोकान कराटे चैम्पियनशीप आयोजित किया गया था। उक्त स्पर्धा में सेंट जेवियर स्कूल में क्लास 3 में अध्ययनरत् छात्र आर्यन दिल्लीवार ने कराटे अन्तर्गत "काता" में प्रथम एवं "कुमिते" में द्वितीय स्थान अर्जित कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। बधाई .....

मेरी प्रथम हवाई यात्रा – सुन्दर लाल वर्मा भृत्य संचा./संधा. संभाग खैरागढ़

एक गड़गड़ाहट के साथ सर के ऊपर से एक जहाज गुजर रहा था, मै टकटकी लगाये उसे आश्चर्य से देख रहा था और अपने बाल मन में मैं ये सोचता था कि काश कभी मैं भी जहाज पर बैठ पाता, बचपन से बड़े होते तक मेरी यह इच्छा बलवती होती गई। मेरा सुदूर आकाश में उड़ते हवाई जहाज को टकटकी लगाये देखने का सिलसिला जारी रहा। विद्युत मंडल में नौकरी लगने के बाद मुझे अपनी इच्छापूर्ति की उम्मीद जगी और वह दिन आया जब मैंने नागपुर से मुंबई के लिये उड़ान भरी।

13 जून को राजनांदगांव से नागपुर तक का सफर मैंने बस से किया, नागपुर के विमानतल पर पहुंचने के पश्चात् हवाई जहाज में बैठने तक 3 जगह चेकिंग एवं अन्य औपचारिकताएं पूर्ण करना पड़ा, तब जाकर हवाई जहाज तक पहुंचा। मैं प्रार्थना कर रहा था कि मुझे खिड़की वाली सीट मिले ओर मेरी यह इच्छा भी पूरी हुई। जहाज पर चढ़ते ही एक सुंदर सी परिचारिका ने दोनों हाथ जोड़कर अभिवादन किया, मैं सकुचाता जवाब दिया। सीट पर बैठते ही बेल्ट बांधने के लिये उसने मेरी मदद की मैं धीरे से अपने अगल–बगल में नजर दौड़ाया सभी बड़े घर के एवं शिक्षित व धनाड्य लोग बैठे दिख रहे थे।

रात्रि 10.45 को जहाज के उड़ने की घोषणा हुई अब मैं उड़ान पर था । खिड़की से देखने पर बड़े–बड़े मकान छोटे–छोटे होते जा रहे थे, चूंकि रात का वक्त था, अतः नीचे देखने पर दीवाली सा लग रहा था। शहर की रौशनी टिमटिमाहट सी दिख रही थी, मानो हजारो जुगनू जगमगा रहे हो। थोड़ी देर में परिचारिका चाय व नाश्ता लेकर आयी मैंने डर के मारे मना कर दिया कहीं इसका भी पैसा ना देने पड़े। मैं अति खुशी से अपने ही माया लोक में डूबा हुआ था कि घोषणा हुई जहाज उतरने वाला है और लगभग 12.00 बजे मुम्बई उतर गया। जहाज के सुरक्षित उतरने की घोषणा होते ही मैंने ईश्वर को धन्यवाद दिया, तब तक मेरा डर के मारे बुरा हाल था।

चूंकि मुंबई में मेरा कोई परिचित नहीं था और होटल वगैरह मे खर्च करने की मेरी हैसियत नहीं थी। मैंने महानगरी के इसी विमानतल के प्रतीक्षालय में रात गुजारा। रात का एक पहर भी मैं सोया नहीं, सब कुछ एक खुली आंखो का सपना सा लग रहा था। वहीं प्रतीक्षालय में नहाकर सुबह 10.00 बजे वापस यात्रा के लिये निकल पड़ा। चूंकि मुंबई से रायपुर की उड़ान 11.15 बजे था, अतः मेरे पास विमानतल में घूमने का अवसर था। वहां की दुकानें एवं लोगों की भीड़–भीड़ एवं उनके ठाठ–बाठ आंखों को चौंधिया रही थी। सचमुच वह एक मायानगरी लग रहा था। मैं लोगों के सामने अपने को दीन–हीन महसूस कर रहा था। बड़े–बड़े सूटकेस व बैग से लोग लैस थे, जबकि मेरे पास एक छोटा एवं सस्ता सा बैग मात्र था। मेरी इच्छा सिर्फ हवाई यात्रा की थी, जो आज पूर्ण हुआ, इसलिये मुझे कोई गम नहीं था। फिर वापसी के लिये 11.45 बजे मुंबई से रायपुर के लिये जहाज ने उड़ान भरी ओर 1.30 बजे मैं रायपुर के माना विमानतल पर जहाज उतरा। मैं बाहर निकल कर बस स्टैण्ड या स्टेशन के लिये रिक्शा ढूढने लगा, एक आदमी से पूछा "भैया रिक्शा मिलेगा" उसने हंसकर कहा "हवाई जहाज से उतरे हो और रिक्शे में जाओगे। यहां कोई रिक्शा नही मिलेगा, सिटी बस आती होगी नहीं तो टैक्सी करनी पड़ेगी।" एक टैक्सी वाला बात सुन रहा था, उसने मेरी स्थिति समझ ली और कहा " 100 रूपये दोगे तो घड़ी चौक में उतार दूंगा।" मरता क्या न करता मैं मान गया।

होने को तो 10,000/– रूपये से ज्यादा बिना खाये पिये खर्च हो गये पर मेरे बचपन से पल्लवित हुई हवाई यात्रा की इच्छापूर्ति के सामने यह रकम कोई मायने नहीं रखती, क्योंकि पैसा ही सब कुछ नहीं है, मुझे जितनी संतुष्टि मिली उसकी कोई तुलना नहीं। मेरी इस यात्रा के सुखद अहसास को आज भी दिल में संजोये हुए हूं, अब मेरी यह इच्छा है कि मैं अपने परिवार को एक बार जरूर हवाई यात्रा पर ले जाउं।

प्रस्तुति :
आभा श्रीवास्तव
कार्या सहायक, राजनांदगांव

उच्च रक्त चाप की औषधि रहित चिकित्सा

शुद्ध रक्त हमारे शरीर के प्रत्येक भाग में धमनियों के द्वारा निरंतर पहुंचते रहता है। इन रक्त–वाहिनी नलिकाओं में रक्त संचार का काम हमारा हृदय ही करता है, जब तक रक्त वाहिनी नलिकाओं की दशा स्वाभाविक रहती है, तब तक हृदय को आवश्यकता से अधिक दबाब डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती, किन्तु हमारे रहन–सहन, जीवन–यापन की खराबी के कारण से रक्त वाहिनी नलिकाओं के छिद्र कम पड़ जाते हैं, उनमें लचीलापन समाप्त होकर कड़ापन आ जाता है ऐसी स्थिति में हृदय को रक्त के समुचित संचालन के लिए अधिक दबाव डालना पड़ता है। नलिकाओं की दशा जितनी ही बिगड़ती है, हृदय का काम उतना ही बढ़ता जाता है और यही उच्च रक्तचाप की अवस्था है।

रक्तचाप :– सामान्यतः 110/70 एम.एम एचजी से 140/90 एम.एम एचजी के बीच होता है। किसी व्यक्ति के रक्त चाप 140/90 एम.एम एचजी से ऊपर हो जाने पर उच्च रक्तचाप का मरीज समझा जाता है।

शारीरिक श्रम का अभाव, तीव्र मिर्च मसाला व अधिक नमक का उपयोग, चाय, काफी, सिगरेट, बीड़ी, तम्बाकू, शराब, गांजा, मांस, मछली, अंडे, चीनी, मैदा, बेसन की बनी खाद्य वस्तुएं शरीर को विकारयुक्त बनाकर रक्तचाप को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इनके उपयोग से सारा नाड़ी मण्डल दुर्बल हो जाता है और मल–मूत्र के मार्ग, त्वचा एवं श्वांस द्वारा निकलते रहने वाली विकार की गति मंद पड़ जाती है। विकार निकालने के ये अंग जब अपना काम पूरा नहीं कर पाते तो मल शरीर में ही रूका रहता है और रक्त मल से लद जाता है। रक्त नलिकाओं में से रक्त के बहते समय वह विकार नलिकाओं में लग–लगकर रूकता है और वहां जम–जमकर नलिकाओं को कड़ी तथा उनके मार्ग को अवरूद्ध करता रहता है। इसके अतिरिक्त मानसिक तनाव, दबाव, मोटापा औषधियों के दुष्प्रभाव व उम्र भी उच्च रक्तचाप की स्थिति पैदा करने में महत्वपूर्ण है।

लक्षण :–उच्च रक्तचाप के रोगी को प्रायः चक्कर आता है, सिर घूमता रहता है। दिमाग उड़ा–उड़ा सा रहता है, किसी काम में मन नहीं लगता, श्रमसाध्य कार्य करने में असमर्थ हो जाता है और नींद नही आती। वह सोता है पर उसे ज्ञात नहीं रहता कि वह सोया है और सोकर उठने पर भी शरीर में ताजगी नहीं आती। पाचन संस्थान अव्यवस्थित हो जाता है, सांस लेने में कष्ट होता है।

उच्च रक्त चाप का दुष्प्रभाव :– रक्त चाप में अचानक वृद्धि हो जाने तथा तीव्र उच्च रक्त चाप को नियंत्रण में न रख पाने के कारण पक्षाघात, दिल का दौरा, अचानक हृदय गति बंद हो जाना, गुर्दो का काम बंद कर देना, रेटिना के अलग हो जाने पर दृष्टि हीनता जैसे अनेक जटिलताएं पैदा हो जाती है।

चिकित्सा व्यवस्था रोग निवारक आहारः– प्रातः नाश्ता : फल, दोपहर का भोजन (12–1 बजे) : चोकर सहित मोटे आटे की रोटी, एक पाव उबली हरी सब्जी (बिना नमक की) तथा सलाद, नाश्ता (3–4 बजे दोपहर बाद) : फल का रस या गाजर का रस, रात्रि भोजन (7 बजे तक) : चोकर सहित मोटे आटे की रोटी तथा बिना नमक की एक पाव उबली हरी सब्जी। प्राकृतिक चिकित्सा के **उपचारः–** मिट्टी–पट्टी एनिमा : प्रारंभ के तीन दिन, फिर आवश्यकतानुसार, पैरों के गरम नहान : एक दिन के अंतर से, सारे बदन की गीली पट्टी : एक दिन के अंतर से, रीढ़ स्नान (ठंड के मौसम को छोड़कर) : सुबह–शाम प्रतिदिन, ठंडा कटिस्नान (पैर गरम पानी में रखकर) : प्रारंभिक सप्ताह में, मालिश : आवश्यकतानुसार 3 .यौगिक उपचार आसन : पवन मुक्तासन (गठिया निरोधक समूह), शशांकासन, भुजंगासन, अर्धशलभासन, मत्स्यक्रीड़ासन, अश्वासन,श्शवासन, प्राणायाम : नाड़ी शोधन प्राणायाम (प्रथम/द्वितीय अवस्था) शीतली, उज्जायी, भ्रामरी, कियायें : कुंजर (बिना नमक के कुनकुने पानी से), जलनेति, कपाल भांति, ध्यान : साक्षीध्यान, विपश्यना, योग निद्रा।

ध्यान देने योग्य आवश्यक बातें :1. प्रातः काल उठते ही शांतचित्त भाव से प्रभु स्मरण करना चाहिए 2. प्रातः काल तांबे के लोटे में रखा जल पीना (उषाः पान) इस रोग में बहुत उपयोगी है। 3. नमक तथा चीनी का उपयोग बंद कर देना बहुत लाभदायक है। 4. नाश्ता में विटामिन सी प्रधान फल यथा अनानास, संतरा, टमाटर, अमरूद इत्यादि देना चाहिए। 5. सुबह, शाम खाली पेट एक मुट्ठी सहजन की पत्ती का रस पीना अथवा पत्ती चबाकर रस निगलना तथा खुज्जा थुकना, उच्च रक्त चाप के नियंत्रण में बहुत प्रभावशाली है। इसे लेते हुये रक्तचाप नापते रहना चाहिये। फिर सामान्य होने पर सहजन पत्ती बंद कर देना चाहिये। रक्तचाप सामान्य होने पर भी सहजन पत्ती लेने से निम्न रक्त चाप हो सकता है यह ध्यान रखें। 6. रक्तचाप के रोगी के पैर या हाथ की मालिश करते समय मालिश करने वाले के हाथ रोगी के जांघ या बांह की ओर से अंगुलियों की ओर जाना चाहिए। 7. रक्तचाप के रोगी के लिए अधिक ठंडे पानी से स्नान लाभदायक नहीं है। 8. रात्रि में जल्दी सोना तथा खुली हवा में आठ घंटे की नींद लेना, इस रोग में लाभदायक है। 9. घबराहट, जल्दबाजी, परेशानी और क्रोध से बचना चाहिए। इसके लिये प्रतिदिन श्वासन अथवा सुखासन में श्वसन के प्रति सजगता का अभ्यास करना चाहिये। 10. यदि उच्च रक्त चाप का रोगी औषधि ले रहा हो तो, औषधि तुरंत बंद नहीं करना चाहिये बल्कि प्राकृतिक – यौगिक चिकित्सा करते हुए रोग में सुधार होने पर ही धीरे–धीरे औषधि की मात्रा कम करते हुए बंद करना चाहिये।

श्री सीताराम साहू
अधीक्षण अभियंता (सिविल) रायपुर

हमारे गौरव

प्रतीक शुक्ला

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के मुख्य अभियंता (उत्पादन), एच.टी.पी.एस. कोरबा पश्चिम कार्यालय में कार्यरत श्री एस.के.शुक्ला कार्या.सहा. श्रेणी–एक के सुपुत्र श्री प्रतीक शुक्ला का चयन एमबीबीएस 2011–12 हेतु चिकित्सा महाविद्यालय जगदलपुर (छत्तीसगढ़) में हुआ है। प्रारम्भ से ही मेधावी छात्र श्री प्रतीक शुक्ला ने 12 वी हायर सेकेण्डरी परीक्षा 89 प्रतिशत एवं दसवी हायर सेकेण्डरी परीक्षा 87 प्रतिशत अंको के साथ डी.पी.एस. कोरबा से उत्तीर्ण किया। प्रतीक के मेडिकल कालेज जगदलपुर में चयन से कोरबा पश्चिम उत्पादन कंपनी का पूरा परिवार गौरवान्वित है। बधाई.....

निलय खरे

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी कोरबा पूर्व में पदस्थ श्री के.के. खरे, वरि. रसायनज्ञ के पुत्र श्री निलय खरे ने 42वीं खेलकूद तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर बैक स्ट्रोक में तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता केन्द्रीय विद्यालय संगठन चंडीगढ़ संभाग द्वारा 29 सितम्बर से 03 अक्टूबर 2011 तक आयोजित की गई थी। कोरबा पूर्व के कार्यपालक निदेशक श्री सी.पी.पाण्डेय ने इस उपलब्धि के लिये श्री निलय खरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बधाई....

कौस्तव कर

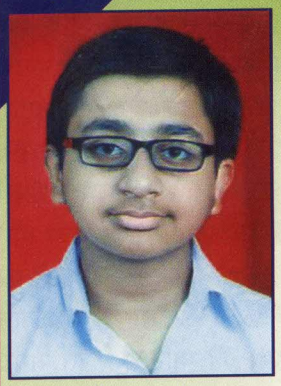

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह, में पदस्थ श्री मलय कांति कर, कार्यालय सहायक श्रेणी–एक के सुपुत्र कौस्तव कर, जो कि कक्षा 10 वीं दिल्ली पब्लिक स्कूल जमनीपाली कोरबा में अध्ययनरत है ने दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित "भारत सरकार" के विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग के तत्वाधान में आयोजित "इंस्पायर अवार्ड" में विज्ञान प्रदर्शन एवं प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग से "राष्ट्रीय स्तर" में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर रू. 10000/–का चेक एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। बधाई...

महन्त कुमार शर्मा

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी कोरबा ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में पदस्थ श्री महन्त कुमार शर्मा, वरि. सुरक्षा सैनिक को कुम्हारी में संचालित साहित्य कला संस्कृति हेतु समर्पित मंच में साहित्याचार्य की उपाधि से अलंकृत किया गया। कुम्हारी, जिला–दुर्ग (छ.ग.) द्वारा न्यू ऋतंभरा कबीर सम्मान एवं साहित्य अलंकरण–11 में यह सम्मान दिया गया। बधाई.....

जो आप से ईर्ष्या करते हैं, उनसे कभी नफरत मत करो, उनका सम्मान करो क्योंकि वे ऐसे लोग हैं जो यह मानते हैं कि आप दूसरों से बेहतर हैं।

पी. पूजा नायडू

छत्तीसगढ़ राज्य होल्डिंग कंपनी में कार्यरत श्री सी.पी.आर.नायडू, कार्यालय सहायक श्रेणी–एक की सुपुत्री पी.पूजा नायडू, बैचलर ऑफ् बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन परीक्षा 2011 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने एवं वरीयता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान द्वारा 09 अक्टूबर 2011 को आयोजित दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। विदित हो कि कुमारी पूजा नायडू इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की विद परीक्षा भी उत्तीर्ण है। वर्तमान में एमबीए. में अध्ययनरत है। आपन कथक नृत्य के साथ जर्मन भाषा में डिप्लोमा भी हासिल की है। बधाई.....

हमारे गौरव

अक्षय जोशी

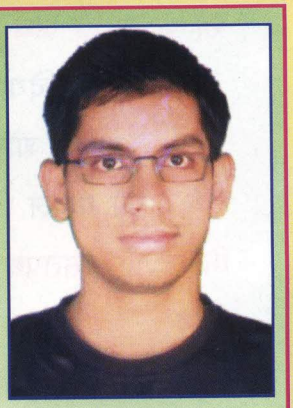

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कपंनी हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में कार्यरत कार्यपालन अभियंता श्री प्रदीप कुमार जोशी एवं वरिष्ठ रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी के सुपुत्र अक्षय जोशी ने कक्षा 12 वीं के साथ ही प्रथम प्रयास में ही आईआईटी– जेईई वर्ष 2011 की परीक्षा में पूरे देश में 245 वॉ रैंक प्राप्त कर देश के सर्वोच्च संस्थान आई.आई.टी बाम्बे में इलेक्ट्रिकल एवं माइक्रोइलेक्ट्रानिक्स शाखा में प्रवेश प्राप्त किया है। आपने कक्षा 12 वीं में फिजीक्स, कैमेस्ट्री एवं मैथ्स में 97 प्रतिशत अंक अर्जित किये है। छत्तीसगढ़ की व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा संचालित पीईटी परीक्षा में प्रथम रैंक प्राप्त कर कोरबा जिले का गौरव बढ़ाया है। अक्षय जोशी टेबल टेनिस एवं कैरमके भी अच्छे खिलाड़ी है एवं पूर्व में टेबल टेनिस में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर चुके है। अक्षय जोशी की इस उपलब्धि पर कोरबा कलेक्टर श्री आर.पी. एस. त्यागी ने भी अक्षय को सम्मानित किया। साथ ही नवभारत प्रेस द्वारा, एमएलसी कालेज एवं महाराष्ट्र मंडल कोरबा पश्चिम ने भी स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया एवं शुभकामनाएं दी। बधाई....

"श्री अनिल कुमार गोस्वामी की बगिया में दुर्लभ ब्रम्हकमल खिला"

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी कोरबा पश्चिम में कार्यपालन यंत्री (कर्मशाला एवं गेरेज) कार्यालय में संयत्र सहायक श्रेणी एक के पद पर कार्यरत श्री अनिल कुमार गोस्वामी के आवास गृह ई– 52 में आकर्षक "ब्रम्हकमल" का फूल खिला। यह फूल 12 वर्ष में एक बार खिलता है। श्री अनिल कुमार गोस्वामी अपने आवास में तरह–तरह के फूल उगाने के शौकीन हैं।

ए. रूपेश राव

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी में कार्यरत श्री ए.चंदा.राव अति. परिचारक वर्ग– एक के सुपुत्र ए.रूपेश राव ने 12 वीं की परीक्षा 91.9 : अंक प्राप्त किया है। आगे मेडिकल साइंस नरकटपल्ली में एमबीबीएस.में प्रवेश प्राप्त किया । बधाई.....

श्रद्धांजलि .....

स्व. सौ. सुधा खोटपाल

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कपंनी के (संचारण/संधारण) संभाग बिलासपुर कार्यालय में कार्यरत श्री व्ही.एम. खोटपाल कार्या.सहा.श्रेणी–एक की माताजी सौ. सुधा. खोटपाल का 82 वर्ष की आयु में 02 नवम्बर 2011 को निधन हो गया। श्रीमती खोटपाल के आकस्मिक निधन पर पॉवर कम्पनी के अधिकारियों/कर्मचारियों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित किया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

स्व. श्रीमती सरोज तिवारी

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी से सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज (कुसुम) तिवारी का आकस्मिक निधन 20 नवम्बर 2011 को 58 वर्ष की आयु में हो गया। श्रीमती तिवारी के आकस्मिक निधन पर पॉवर कम्पनी के अधिकारियों / कर्मचारियों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित कर मृतक की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

"ऐसा दीप जलाऐं"

हो परिवर्तित अर्थ अमां का ऐसा दीप जलाऐं!

त्याग दिया सुख राजमहल का
हर्ष न शोक न मन में आया।
जो केवल पितु वचन अपनाया।।
मिथ्या तज सतपथ अपनाने का संदेश जगाऐ।
ऐसा दीप जलाऐं,।

गिरि सरिता गहन वन पथ पर,
पग–पग चले स्वामी जग के ।
मन में प्रेम का भाव जगाने,
ऋषि योगी अंतिम वन–जन के।।
स्वार्थ तमस का भाव त्याग कर, ज्योति पथ अपनाऐं,
ऐसा दीप जलाऐं,।

छल से हरली "श्री" श्रीहरि की,
सत्ता मद ने निरंकुश होकर।
किया अहं का अंत प्रभू ने,
वानर – रीछ की सेना लेकर।।
अहंकार का मृत्यु मार्ग तज, हम अमरत्व को जाऐं
ऐसा दीप जलाऐं,।

द्वार–द्वार पर सजी अल्पना,
घर–घर मीठे चौक पूरे।
बंदनवार सजी हर गलियॉ,
वस्त्र नये जन–जन ने धारे।।
दीप मालिका सजी सुहानी,
लौट राम सिय नगर पधारे।।
मन में श्रद्धा प्रेम भक्ति रख, राम प्रभू अपनाऐं,
ऐसा दीप जलाऐं,।
हो परिवर्तित अर्थ अमां का ऐसा दीप जलाऐं!

शशिकांत देशमुख
कार्यपालन यंत्री (सिविल) रायपुर

मॉ का प्यार ऐसा ईंधन है

मॉ को आप चाहे जो गिफ्ट दे दें, वह उस गिफ्ट से हमेशा छोटा ही होगा जो गिफ्ट उसने आपको दिया है– जिदंगी का गिफ्ट।

मॉ का प्यार ऐसा ईंधन है जो साधारण इन्सान को भी नामुमकिन काम करने की ताकत दे देता है।

दुनिया के लिए आप महज एक शख्स हो सकते हैं, पर एक शख्स (मॉ) के लिए आप दुनिया है।

एक फुलटाइम मॉ होना सबसे ज्यादा सैलरी वाली जॉब है क्योंकि इसके बदले जो मेहनताना मिलता है, वह खालिस प्रेम है।

जब आपकी मॉ पूछती है– तुम्हें सलाह चाहिए ?तो यह सवाल महज दिखावा है। आप "हॉ" कहिए या "ना", सलाह तो आपको मिलनी ही है।

मॉ उस बात को भी समझ लेती है, जो उसका बच्चा नहीं कहता।

जो शख्स यह कहता है कि वह अतीत को मिस नहीं करता, निश्चित रूप से उसकी मॉ नहीं है।

मॉ दुनिया की सबसे सहज फिलॉस्फर होती है।

जिस वक्त बच्चे का जन्म होता है, उस वक्त मॉ का भी जन्म होता है।

पिता बच्चों के लिए जो सबसे बड़ा काम कर सकता है, वह यह कि वह उनकी मॉ को प्रेम करे।

धमधा उप सम्भाग में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित धमधा उप सम्भाग में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित सुरक्षा, तनाव, मोटिवेशन, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच आदि विषयों पर आधारित दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 13–14 दिसम्बर 2011 को किया गया. . कर्मचारी विकास प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में औद्योगिक सम्बन्ध अधिकारी श्री रघुबर दयाल सिंह ने कहा कि बिजली कर्मियों का जीवन मूल्यवान है. इनके जीवन पर उनके स्वयम् के अलावा उनके परिवार, संस्थान, गुरूजन, प्रदेश एवं राष्ट्र सबका बराबर अधिकार है अतः सुरक्षात्मक तरीके से कार्य करना सबके हित संवर्धन हेतु आवश्यक है। दुर्ग वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री आर.के.अवस्थी ने बिजली कर्मियों के लिये ऐसे प्रशिक्षण को कारगर निरूपित किया. उन्होंने कहा कि तनाव दुर्घटना का प्रमुख कारण है। रिटायर्ड अधीक्षण अभियंता श्री एम.एल.देशमुख ने तकनीकी व्याख्यान दिया. शिविर में ननकट्ठी, देवकर एवं धमधा वितरण केन्द्र के 30 अधिकारी कर्मचारियों ने प्रशिक्षण का लाभ लिया. प्रशिक्षण शिविर के आयोजक दुर्ग सम्भाग के कार्यपालन अभियंता श्री ए.के.गौराहा ने समापन समारोह की अध्यक्षता की. इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। सर्वश्री सलीम खान, श्री अविनाश दुबे, पारितोष हलधर, कु. पिंकी पाण्डे ने अतिथियों का स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा किया गया.

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्युत गृह में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्यु गृह में 14 से 21 दिसम्बर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह के शुभांरभ एवं समापन समारोह विद्युत गृह के मुख्य अभियंता श्री जे.आर. वेदुला के मुख्य आतिथ्य एवं श्री डी.महतो, अति. मुख्य अभियंता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में अधीक्षण अभियंता सर्वश्री एस.एम.गोवर्धन, एच.सिराजुछीन, राजेश वर्मा, विशिष्ट अतिथी के रूप में उपस्थित थे। समारोह में उपस्थिति अधिकारियो–कर्मचारियां को ऊर्जा संरक्षण की सपथ मुख्य अतिथी द्वारा दिलाई गयी।

समारोह में श्री वेदुला ने ऊर्जा संरक्षण हेतु प्राकृतिक रोशनी एवं ऊर्जा के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि वाहन के अधिकाधिक उपयोग के बजाय पैदल चलना बहुपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कम लागत में अनवरत विद्युत उत्पादन हेतु तेल, कोयला, डीएम वाटर तथा बिजली की आक्जलरी खपत में कमी करने का आव्हान किया।

समारोह के अध्यक्ष श्री महतो ने समाज व राष्ट्र हित में ऊर्जा संरक्षण के महत्व को प्रतिपादित किया। उन्होने कहा ऊर्जा संरक्षण की सम्भावनाओं को साकार कर हम राष्ट्र विकास में अपनी महती भागीदारी दे सके। इसी कम में विशिष्ट अतिथियों ने मितव्ययीता पूर्वक ऊर्जा के उपयोग को वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के लिए आवश्यक निरूपित किया। ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के दौरान नारा प्रतियोगिता में श्री ज्ञानेश नामदेव, सहा.यंत्री प्रथम, श्री संजय कुमार जैन, पाली रसायनज्ञ द्वितीय एवं श्री शशांक ढाबरे व मोनिका महिलांग, सहा.यंत्री तृतीय स्थान पर रहे, रसायनज्ञ द्वितीय जबकि ठेका वर्ग में सुश्री रजनी चौहान प्रथम, हर्षा ठाकुर द्वितीय एवं दुर्गा ठाकुर व श्री गौरी शंकर साहू तृतीय स्थान पर रहे। कविता प्रतियोगिता में श्री संजय कुमार जैन श्रीमती सीमा राठौर व श्री शशांक ढाबरे ठेका वर्ग में सुश्री दुर्गा ठाकुर, सरिता धुर्वे व हर्षा ठाकुर निबंध प्रतियोगिता में श्री एन.सहा, कार्यपालन यंत्री, श्रीमती सीमा राठौर व श्री एन.पी.कौशिक, कार्या.सहा.श्रेणी–दो, ठेका वर्ग में सुश्री हर्षा ठाकुर, श्री राजकुमार केवट व सुश्री सरिता धुर्वे प्रतियोगिता में सर्वश्री मंजीत सिंह, कार्यपालन यंत्री, एस.एन.मंडलाई, सहायक यंत्री एवं प्रेमजी पटेल, कार्यपालन यंत्री (संरक्षा) व विनय गुप्ता कमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। ठेका वर्ग के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सुश्री हर्षा ठाकुर का प्रथम व श्री राजकुमार केवट को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। ऊर्जा संरक्षण पर शालेय बच्चों के लिये आयोजित पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्र–छात्राओं को भी अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

शुभारंभ एवं समापन समारोह का संचालन अधीक्षण अभियंता श्री कुर्तीकुमार एवं वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री जी. खण्डेलवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यपालन अभियंता श्री संजय वैद्य एवं सहायक अभियंता श्री आर.सी. गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्युत गृह में औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्युत गृह में औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन 3 से 9 दिसम्बर तक किया गया। उद्घाटन समारोह में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक श्री सी.पी.पाण्डे, मुख्य अतिथी अति. मुख्य अभियंता श्री डी.महतो, अध्यक्ष एवं मुख्य रसायनिज्ञ डॉ. जी.पी.दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथी द्वारा उपस्थितजनों को सुरक्षा विनियमों के परिपालन की शपथ दिलाई गई।

मुख्य अतिथी श्री पाण्डे ने आगे कहा कि सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाकर दुर्घटनाओं से बचना सुनिश्चत किया जा सकता है। भोपाल गैस त्रासदी की विभीषिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने जीवन में सुरक्षा को अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री महतो ने मेन, मशीन मटेरियल तीनों की सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथी डॉ. दुबे ने लापरवाही जल्दबाजी एवं अतिआत्मविश्वास को दुर्घटना के मुख्य कारक बताया।

औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह के दौरान कार्यक्रम संयोजक श्री एन.के. देवांगन तथा सहायक अभियंता श्री राकेश गुप्ता द्वारा सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, आकस्मिक उपचार से संबंधित जानकारिया प्रदान की गयी। इसी तरह अग्निशमन अधिकारी श्री एच.आर. साहू ने अग्निशमन के कारगर उपायों तथा वरिष्ठ रसायनिज्ञ श्री जी.आर.साहू ने रसायनिज्ञ पदार्थो के उपयोग के दौरान लापरवाही से होने वाली दुर्घटनाओं एवं उनके निराकरण के उपायों की जानकारी दी।

सुरक्षा के संबंध में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें नारा प्रतियोगिता में श्री संजय कुमार जैन, पाली रसायनज्ञ (प्रशिक्षु) प्रथम, श्रीमती लखनी साहू, वरिष्ठ शीघ्रलेखक द्वितीय व श्री रणधीर कपूर, अतिरिक्त कार्यालय सहायक श्रेणी–एक, तृतीय स्थान पर रहे जबकि ठेका वर्ग में सुश्री हर्षा ठाकुर विजेता रही। कविता प्रतियोगिता में श्री संजय कुमार जैन, श्रीमती सीमा राठौर, सहायक यंत्री व कु. सत्यभामा माहनंदे, पाली रसायनज्ञ (प्रशिक्षु) क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे जबकि ठेका वर्ग में कु. हर्षा ठाकुर विजेता रही। निबंध प्रतियोगिता में श्री एन.पी.कौशिक, कार्या.सहा.श्रेणी–दो, श्री एन. साहा, कार्यपालन यंत्री व श्रीमती सीमा राठौर क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे जबकि ठेका वर्ग में श्री राजकुमार केवट विजेता रहे। संरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में अधिकतम सहभागिता हेतु श्री आर.पी. टंडन, सहा.यंत्री (सेवाएं) को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया वहीं ठेका वर्ग में श्री महेश कुमार व सुश्री अर्चना साहू को विशेष पुरस्कार दिया गया।

कुर्यात् सदा मंगलम्

क़िस गेल संग सुगंधा

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर उत्पादन कंपनी कोरबा पश्चिम कार्यालय अधीक्षण यंत्री (मानव संसाधन विभाग) में कार्यपालन अभियंता (मा.सं.) के पद पर कार्यरत श्री जॉन नेल्सन के सुपुत्र किस गेल का शुभ विवाह श्री एस.के.नथेनियल की सुपुत्री सौ.का. सुगंधा के संग 10 नवम्बर 2011 को कोरबा में सोल्लास संपन्न हुआ बधाई.....

कुर्यात् सदा मंगलम्

नूरी संग मुबीन

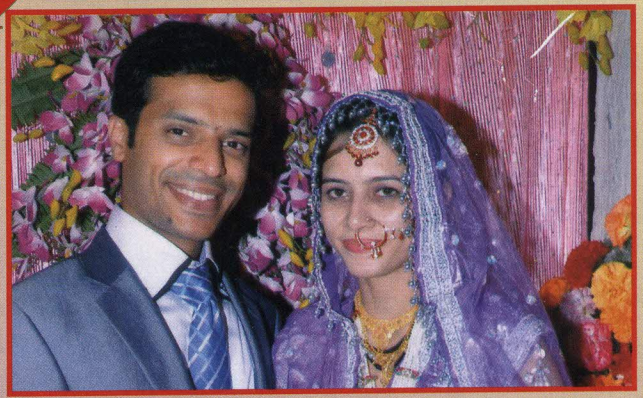

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक (भण्डार एवं क्रय) कार्यालय में कार्यरत हाजी जनाब मकसूद अली कुरैशी, निज सहायक की सुपुत्री नूरी सबा का निकाह भिलाई निवासी मौलाना अकमलउद्दीन हैदर के सुपुत्र मुबीन हैदर के साथ दिनांक 13 अक्टूबर 2011 को रायपुर में सोल्लास संपन्न हुआ. बधाई। बधाई.....

कुर्यात् सदा मंगलम्

कुर्यात् सदा मंगलम्

भानू संग इन्दु

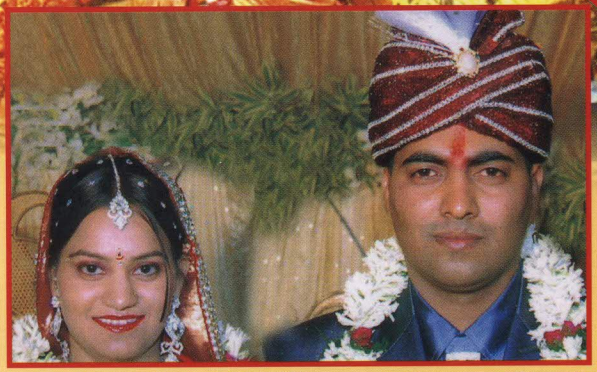

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी रायपुर में अति. मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत श्री सुबाष चन्द्रा के सुपुत्र चि. भानू का शुभ विवाह श्री होरीलाल कुशवाहा की सुपुत्री सौ. का. इन्दु के संग 18 नवम्बर 2011 को रायपुर में सोल्लास सम्पन्न हुआ। बधाई.....

भूपेन्द्र संग दिव्या

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर पारेषण कंपनी रायपुर में कार्यपालन अभिंयता के पद पर कार्यरत श्री आर.यू. विश्वकर्मा के सुपुत्र चि. भूपेन्द्र का शुभ विवाह श्री रविशंकर विश्वकर्मा की सुपुत्री सौ. का. दिव्या के संग 29 नवम्बर 2011 को जौनपुर में सोल्लास सम्पन्न हुआ। बधाई.....

अमित संग निधि

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी रायपुर में कार्यरत श्री किरण शर्मा तथा श्रीमती भारती शर्मा के सुपुत्र चि. अमित का शुभ विवाह श्री अनिल चावला की सुपुत्री सौ.का. निधि के संग 06 दिसम्बर 2011 को रायपुर में सोल्लास सम्पन्न हुआ। बधाई.....

स्वप्निल संग मलविका

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी रायपुर में अधीक्षण अभिंयता के पद पर कार्यरत श्री संजय डी तेलंग के सुपुत्र चि. स्वप्निल का शुभ विवाह श्री संतोष अग्रवाल की सुपुत्री सौ. का. मलविका के संग 06 दिसम्बर 2011 को रायपुर में सोल्लास सम्पन्न हुआ। बधाई.....

सुमीत संग नमिता

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर पारेषण कंपनी रायपुर में मैनेजर के पद पर कार्यरत श्री नन्दकिशोर कागदे के सुपुत्र चि. सुमीत का शुभ विवाह श्री चन्द्रशेखर थिटे की सुपुत्री सौ. का. नमिता के संग 21 दिसम्बर 2011 को रायपुर में सोल्लास सम्पन्न हुआ। बधाई.....

मंजूषा संग चेतन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर उत्पादन कंपनी कोरबा पूर्व (प्रशिक्षण संस्थान), में पदस्थ श्री सुरेश कुमार सोनी मानचित्रकार की सुपुत्री सौ.का. मंजुषा सोनी का शुभ विवाह बेलपहाड़ उड़ीसा निवासी श्री लखनलाल शराफ के सुपुत्र चि. चेतन शराफ रायपुर के साथ कोरबा में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बधाई.....

वृक्ष धरा के भूषण हैं, दूर करते प्रदूषण हैं,
धरा को हरा बनाने के संकल्प का साक्षी पल

कोरबा में पौधारोपण करते हुए श्री जनार्दन कर, श्री एन.एस. रावत, श्री सी.पी. पाण्डे

छाया : संजय टेम्बे

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कम्पनी मर्या., डंगनिया, रायपुर फोन : 0771-4066901 फैक्स : 0771-2242955 Website:www.cseb.gov.in